

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 11, 1981 (आषाढ़ 20, 1903)
No 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 11, 1981 (ASADHA 20, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 मई 1981

सं० ए० 38013/6/80-प्रशा०—III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री आर० एन० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 31 मई, 1981 के अपराह्न से निवर्तन आयु हो जाने के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने की सहर्ष अनुमति दी जाती है।

दिनांक 8 जून 1981

सं० ए० 38015/4/80-प्रशा०—II—31 मई, 1981 (अपराह्न) से निवर्तन आयु प्राप्ति पर उनके सेवा निवृत्त हो जाने के परिणामस्वरूप श्री जे० एल० कपूर ने संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

य० रा० गोधी,
अवर सचिव
(8251)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1981

सं० 6 के० आर० सी० टी० 26—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री आर० के० रिहानी, स्थायी निजी सहायक को आयोग में वरिष्ठ निजी सहायक रु० 650—30—740—35—880—ई० बी०—40—1040 वेतनमान में दिनांक 15-6-1981 से अगले आदेश तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मलहोत्रा
अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1981

सं० ए० 19036/11/78-प्रशा० 5—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी

श्री बी० एच० मीराजकर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 8-6-1981 के पूर्वाह्न से महाराष्ट्र राज्य को सौंपी जाती हैं।

हीरो ए० शहानी
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 जून 1981

सं० ओ० बी० 1580/81-स्था०—राष्ट्रपति जो डा० इन्दर मोहन ठाकुर को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर दिनांक 21-5-1981 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1981

सं० ओ० बी० 354/70-स्था०—राष्ट्रपति, श्री बी० एल० तकिआर को पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी० एल० तकिआर ने सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार 65 वाहिन सी० आर० पी० एफ० में दिनांक 14 फरवरी, 1981 (अपराह्न) को संभाल लिया है।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 12 जून 1981

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री बी० के० एल० राव ने 6 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 15 जून 1981

सं० ई०-38013(4)/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री एन० घोष ने 27 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० पी० भिलाई के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38014(5)/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री आर० एम० अहलूवालिया ने 2 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० पी० भिलाई के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर श्री एस० डी० उंगवाल ने 2 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० झरिया के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री बी० के० येहूजा ने 19 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० ओ० सी० गुजरात शिक्षादेवली, बड़ौदा के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर श्री वरभा विश्वनाथ ने 20 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० एस० आर० ओ० धुम्बा के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—मद्रास से स्थानांतरण होने पर, श्री एस० एस० कादिया ने 4 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16016/11/79-कार्मिक—निवर्तन की आयु पूरी होने से सेवा निवृत्ति पर, श्री एस० एन० डंडोना ने 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से लेखा अधिकारी, के० ओ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली, के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जून 1981

सं० 10/20/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 18 अगस्त, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, श्रीमती कृष्णा चौधरी की, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में भाषाविद् के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 30 जून, 1981 या जब तक पद निवृत्ति आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, इस कार्यालय की तारीख 28 मार्च, 1979 की अधिसूचना सं० 12-5-74-आर० जी० (प्रशा०-1) के पैराग्राफ 2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 7/6/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत सश्वरी आर० पी० गुप्त और प्रदीप मेहरा को तारीख 28 अक्टूबर 1980 से उसी पद पर, स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 11/27/81-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत

श्री एस० एम० मेहल हुसेन को जसी कार्यालय में तारीख 28 मई, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाय, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री हुसैन का मुख्यालय पटना में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय
(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 8 मई 1981

सं० 23/3/81-सो० पो० आई०—मई, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपमोक्षामूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1980-100) अप्रैल, 1981 के स्तर से 6 अंक बढ़ कर 433 (चार सौ तेतीस) रहा। मई 1981 मास का सूचकांक आधार वर्ष 1949-100 पर परिवर्तित किए जाने पर 526 (पांच सौ छत्तीस) आता है।

टी० योगानन्द,
उप निदेशक

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 18 जून 1981

सं० क्र० बी० एन० पी०/जी०/4/79—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-5-81 के तारतम्य में श्री एस० बी० वेशमुख की सहायक नियंत्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं शर्तों पर दिनांक 28-5-81 तक और बढ़ायी जाती है।

मु० वी० चार
महाप्रबन्धक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1981

सं० प्रशा०-1/8(27)11/26—भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक वित्त मंत्रालय की सहमति से श्री नन्द किशोर वर्मा, लेखा परीक्षा अधिकारी के भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में स्थाई समावेशन हेतु दिनांक 1-12-78 से स्वीकृति प्रदान करते हैं। केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 37 के अनुसार वे भारत सरकार

की सेवा से बी० एच० ई० एल० में समावेशन की तिथि से सेवा निवृत्त समझे जायेंगे।

एम० एस० सरना
निदेशक लेखा परीक्षा

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

श्रीनगर, दिनांक 6 जून 1981

सं० प्रशा० I/60(83)/81-82/1063—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने 3 जून (पूर्वाह्न) से (अगले आदेश जारी करने तक) एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री अवतार कृष्ण कानूनगो को स्थानापन्न हैसियत में लेखा अधिकारी के रूप में प्रोन्नत किया है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन एवं अधिकरण)

महालेखाकार महाराष्ट्र (1) का कार्यालय

बम्बई-400 020, दिनांक 11 मई 1981

सं० प्रशा० 1/आय० ए० डी०/5(337)/2—श्री ए० एल० सत्यनारायण इस कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गोवा में दिनांक 12-3-1981 (पूर्वाह्न) से स्थायी रूप में समा लेने के फलस्वरूप, केन्द्रीय नागरी सेवा (निवृत्ति वेतन) नियमावली 1972 के नियम 37, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 44(1) ई-छ्ही/71 दिनांक 13-4-73 के साथ पढ़ा जाये, के अंतर्गत दिनांक 12-3-1981 (पूर्वाह्न) से सेवानिवृत्त समझे जायेंगे।

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ने श्री ए० एल० सत्यनारायण, लेखा अधिकारी को भारत सरकार के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली ने उनके पत्र सं० 1057/जी० ई० 11/1-81 दिनांक 27-4-81 के साथ सूचित की गई शर्तों के अनुसार गोवा शिपयार्ड लिमिटेड गोवा में दिनांक 12-3-81 (पूर्वाह्न) से स्थायी रूप में समा लेने की मंजूरी दी है।

ह०/- उपपनीस
वरिष्ठ उप महालेखाकार/एस०

इलाहाबाद, दिनांक 9 जून 1981

प्रशा०/11-144/अधिसूचना—महालेखाकार (प्रथम) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग को अधिकाधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

1. श्री राम लखन अग्रवाल 2-6-1981 (पूर्वाह्न)
2. श्री शिव प्रसाद शुक्ल 23-4-1981 (पूर्वाह्न)

3. श्री त्रिलोकी नाथ तिवारी 23-4-1981 (पूर्वाह्न)
4. श्री सन्तोष कुमार मोहंन 22-4-1981 (अप०)
5. श्री रमेश चन्द्र आनन्द 25-4-1981 (उप०)
6. श्री रामधनी सिंह-1 2-5-1981 (पूर्वाह्न)
7. श्री शिव प्रकाश बहादुर 25-4-1981 (अप०)
8. श्री अभय चरण सिन्हा 2-6-1981 (पूर्वाह्न)

एस० जे० एस० आहलूवालिया
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 जून 1981

सं० प्रशा०/1/1824/5/जिल्द-I—श्री डी० राघव राव, आई० डी ए० एस० को, दिनांक 29-12-1981 को (उनकी जन्म-तिथि 30-12-1923 होने के कारण) 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31-12-1981 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और तबनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56 (ए) की शर्तों के अनुसार, दिनांक 31-12-1981 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहेंगे।

सी० वी० नागेन्द्र
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 16 जून 1981

सं० 21/81/जी०—श्री एन० के० नायर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 10 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1/2/81-प्रशा० (राज०)/3616—राष्ट्रपति, श्रीमती पी० मोहन और श्री एम० एल० जयन्त (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 प्रवरण सूची 1978) को अगला आदेश होने तक, 21-7-1980 से इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० 6/540/59-प्रशा० (राज०)/3633—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, इस कार्यालय में स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री के० बी० लाल कपूर को 31 मई, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

ए० एन० कौल
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते नि० आ० नि०

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1981

सं० ए० 19018/505/80-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, श्री प्रवीप कुमार मुखर्जी को दिनांक 20 मई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में उप निदेशक (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन-I

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1981

सं० प्र०-1/1(1122)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड-II श्री ए० आर० सुब्रमणियन निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1(1154)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक ग्रेड-II श्री एम० जे० टहल्यानी को दिनांक 8-5-81 (पूर्वाह्न) से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1164)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (मुक-दमा) (ग्रेड-I) श्री पारितोष घोष को दिनांक 16-4-81 (अपराह्न) से उसी कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी के पद पर अवनत किया जाता है।

सं० प्र०-1/1(1176)/81—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा मुख्यालय के अवर क्षेत्र अधिकारी, श्री एम० एकाम्बरम को दिनांक 29 मई, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेश के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एकाम्बरम की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थ नियुक्ति होने से उन्हें नियमित नियुक्ति का हक नहीं होगा और की गई तदर्थ सेवा ग्रेड में बरीयता और पदोन्नति व स्थायीकरण के लिये नहीं गिनी जाएगी।

श्री एकाम्बरम ने दिनांक 25-5-81 के अपराह्न से मुख्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी का पद छोड़ दिया और दिनांक 29-5-81 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड II का पदभार संभाल लिया।

(प्रशासन अनुभाग-6)

सं० ए०-17011/188-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, बर्णपुर के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (धातु) श्री पी० पी० सेनगुप्त को दिनांक 22 मई के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से पूर्णतः तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 6 जून 1981

सं० प्र०-6/247(543)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्णपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री श्याम प्रसाद बसु को दिनांक 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए धातु शाखा के ग्रेड III में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बसु ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न को छोड़ दिया।

श्री बसु दिनांक 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न से 2 वर्ष के लिये परीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
रुते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

सं० ए० 31013/9/80-प्र०-6—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक अधिकारी के नाम के सामने बी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड II की धातुकर्म शाखा में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थायी रूप से स्थायी पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम सर्वश्री	वर्तमान पद	पद जिसके मद्दे स्थायी हुए	स्थायी होने की तारीख
1.	पी०सी० बोस	निरीक्षण निदेशक	उप निदेशक निरीक्षण	12-11-71

	जमशेदपुर (धातु)		
	30-9-78		
	(अपराह्न)		
	से सेवा		
	निवृत्त।		
2.	के०सी० चटर्जी	उप निदेशक निरीक्षण (बर्णपुर)	12-11-75
		उप निदेशक निरीक्षण (बर्णपुर)	
		30-11-80	
		(अपराह्न)	
		से सेवा	
		निवृत्त	
3.	पी०के० मुस्तफी	उप निदेशक निरीक्षण (जमशेदपुर)	12-11-75
		उप निदेशक निरीक्षण (कुर्गापुर), निरीक्षण निदेशक (धातु)	
		जमशेदपुर के अधीन	
4.	आर०एम० खर	उप निदेशक निरीक्षण (कुर्गापुर), निरीक्षण निदेशक (धातु)	1-7-76
	सेवा निवृत्त	उप निदेशक निरीक्षण (कुर्गापुर), निरीक्षण निदेशक (धातु)	
		जमशेदपुर के अधीन	
5.	एस०के० पांडे	उप निदेशक निरीक्षण (भिलाई), निरीक्षण निदेशक (धातु)	14-7-78
		जमशेदपुर के अधीन	

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 जून, 1981

सं० 3315बी/50/66(एस० ए०)—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र के शिपट बास श्री एस० अनन्त राम को त्यागपत्र देने पर इस विभाग की सेवाओं से 5 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से मुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 15 जून 1981

सं० 3425बी०/ए-19012(3-टी० के० एम०)/80-19बी०—श्री तपन कुमार मंडल को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 6-4-1981 पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 16 जून 1981

सं० 3461बी०/ए०-32014 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री एस० धी० आर० मूर्ति को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

वैहराटून, दिनांक 16 जून 1981

सं० सी०-5730/718-ए०—श्री एन० रामास्वामी, कार्यालय अधीक्षक (बरिष्ठ वेतनमान) सं० प्र० एवं मा० उ० केन्द्र, हैदराबाद को दिनांक 24 अप्रैल, 1981 (अप-राह्न) से श्री के० वी० कृष्णामूर्ति, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो 45 दिन के अर्जित अवकाश पर गए हैं, के स्थान पर सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5731/718-ए०—श्री जी० आर० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, को सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप "बी") के पद पर दिनांक 2 मई, 1981 (पूर्वाह्न) से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर श्री एस० एन० सुब्बाराव, स्थापना एवं लेखा अधिकारी का स्थानान्तरण होने पर उनके स्थान पर, स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला

ले० जनरल,

भारत के महासर्वेक्षक क
(नियुक्ति प्राधिकारी)

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-700012, दिनांक 15 जून 1981

सं० एफ 92-168/80-स्था०/9816—डा० राधेश्याम मुरली धर शर्मा को, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, अन्डमान निकोबार शाखा, पोर्ट ब्लेयर में सहायक प्राणिवैज्ञानिक (यु 'बी') वेतनमान रु० 650-1200) के पद पर अस्थाई आधार पर 21 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

डा० बी० के० टिकादार

निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 15 मई 1981

सं० 31/5/80-एस०-2—आकाशवाणी महानिदेशालय निम्नलिखित फ्रील्ड रिपोर्टों को आकाशवाणी में उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथियों में विस्तार अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त पर 650-1200 रु० के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	तिथि	कार्यालय जहां नियुक्त किया गया
1.	श्री पी० एन० मिश्र	19-12-80	आकाशवाणी नई दिल्ली
2.	श्री एम० सी० पी० नाम्बयार	19-12-80	आकाशवाणी कालीकट
3.	श्री ए० सी० माक्षी	19-12-80	आकाशवाणी कटक
4.	श्री के० जी० सिन्हा	12-1-81	आकाशवाणी जयपुर
5.	श्री ए० दास	26-3-81	आकाशवाणी, पणजी

दिनांक 22 जून 1981

सं० 2/22/76-एस० धी०—महानिदेशक आकाशवाणी राइस द्वारा श्री रामप्रकाश मुख्म लिपिक लेखाकार, सेन्ट्रल स्टोर आकाशवाणी नई दिल्ली 8-6-81 (पूर्वाह्न) प्रशासनिक अधिकारी आकाशवाणी लेह के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्रि ।

उपनिदेशक प्रशासन

कृते महा निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1981

सं० 4(77)/75-एस०-एक—भारत के राजपत्र (पृष्ठ 36 पर संख्या 10, भाग-4) में प्रकाशित दिनांक 7-3-81

की अधिसूचना के संदर्भ में और गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 60/27/48-एस्टस दिनांक 3-11-1948 में दिये गये अनुदेशों के अनुसार श्री नन्दराम शर्मा कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, जोधपुर अब से "नन्द भारद्वाज" के नाम से जाने जाएंगे।

दिनांक 17 जून 1981

सं० 5(54)/68-एस०-एक—श्रीमती ए० इन्दिरा जोसेफ, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम की नियुक्ति के संबंध में इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या 5(54)/68-एस०-एक, दिनांक 22-4-81 की तीसरी पंक्ति में प्रकाशित शब्द "कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम" के स्थान पर "कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी त्रिवेन्द्रम" पढ़ा जाए।

दिनांक 18 जून 1981

सं० 5(11)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री महमूद खान, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, विजयवाड़ा को आकाशवाणी पांडिचेरी में 30 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(29)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्रीमती नीलिमा हरजल को आकाशवाणी, जयपुर में 30 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(9)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० एस० रामानुजम, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, हैदराबाद को आकाशवाणी तिरुचिरापल्ली में 5 जून, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(33)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्रीमती कुसुम जुष्टी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, इलाहाबाद को आकाशवाणी, इलाहाबाद में 1 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

एच० सी० जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1981

सं० 10/37/30-एस०-3—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री पंकजकृष्ण जनार्दन कुमार को विजय निदेशक का कार्यालय, विविध भारत सेवा, आकाशवाणी बम्बई में सहायक इंजीनियर के पद पर अगले आदेशों तक अस्थायी पदधमता में 27-4-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

एच० एन० बिस्वास
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 जून 1981

सं० ए०-12025/5/78-अस्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री भास्कर नायर, तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को श्री सी० अन्नाहम, सहायक माध्यम अधिकारी, जो अवकाश पर गये हैं के स्थान, इस निदेशालय में 1 जून, 1981 से तदर्थ आधार पर सहायक माध्यम अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1981

सं० 17-28/73-प्रस०-I—सांख्यिकी विभाग, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली में विशेष कार्याधिकारी (आई० एस० एस० के ग्रेड-2 का पद) के पद पर उनकी नियुक्ति के फलस्वरूप डा० पी० एम० राय ने 20 मई, 1981 के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सांख्यिकी अधिकारी (आयोजना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 16 जून 1981

सं० ए० 31013/5/80-(जे० आई० पी०) (प्रशा०-1)—इस निदेशालय को 14-5-1981 की अधिसूचना सं० ए० 31013/5/80 (जे० आई० पी०)/प्रशा०-1 में दी गई तारीख 26 दिसम्बर, 1979 के स्थान पर "26 दिसम्बर, 1977" पढ़ा जाये।

दिनांक 17 जून 1981

सं० ए० 12026/5/81 (एच० क्यू०) प्रशा०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के सेन्ट्रल डिजाइन ब्यूरो के मुख्यवास्तु सहायक श्री एस० जी० भारद्वाज को 1 जून 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इसी निदेशालय में तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

टी० सी० जैन
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1981

सं० ए० 19019/5/79-सी० जी० एच० एस०-I—डा० (कुमारी) बी० एम० राय ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में अपना तबादला होने के फलस्वरूप 17-2-1981 के अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 18-2-1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य

योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्य-भार संभाल लिया है।

दिनांक 15 जून 1981

सं० ए० 19018/13/81-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डाक्टर (श्रीमती) विनोद कुमारी को 6 मई, 1981 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12023/5/79-के० स० स्वा० यो०-I—हकीम एम० ए० समद की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से सी० जी० एच० एस०, लखनऊ को बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने सी० जी० एच० एस० दिल्ली से 6-11-80 अपराह्न से यूनानी चिकित्सक के पद का कार्य-भार छोड़ दिया है और उन्होंने 17-11-80 पूर्वाह्न को सी० जी० एच० एस० लखनऊ में यूनानी चिकित्सक के पद का कार्य भार संभाल लिया है।

सं० ए० 19018/21/80-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० एस० ऊके को 4 मई, 1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1981

सं० 1-2/81-स्था०-I-अ० सां०-सिचाई मंत्रालय के हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-2) श्री एम० एल० जैन को, अर्थ एवं सांख्यिकी सलाहकार, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय में 15-4-81 (अपराह्न) से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर इस निदेशालय के सम-संख्यक पत्र दिनांक 1-4-81 में निहित शर्तों के अनुसार हिन्दी अधिकारी (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में, नियुक्त करते हैं।

वरखारी लाल
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
कृषि अर्थ एवं सांख्यिकी सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 20 जून 1981

सं० पी० ए०/79(II)/79 आर० III-नियंत्रक—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र परमाणु ऊर्जा विभाग के विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के आशुलिपिक III श्री कर्तार सिंह गोपाल सिंह वासवानी को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 1 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1981

सं० पी० ए०/26(3)/79 आर०-III-नियंत्रक—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री सुरेन्द्र अवधनारायण सा, सहायक लेखा अधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग को लेखा अधिकारी II (रुपये 840-1200) पद पर पी० ई० सी० परियोजना भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, कलकत्ता में 20 मई 1981 (अपराह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमार मेनोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना

नरौरा, दिनांक 22 जून 1981

सं० क्र० न० प० वि० प०/प्रशा०/18(1)/81/एस०-7485 नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सेलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री ओमप्रकाश, को दिनांक 1 जून, 1981 से 10 जुलाई, 1981 तक श्री एस० सी० जैन, सहायक कार्मिक अधिकारी के दृष्टि में, अवधि में, स्थानापन्न रूप में, रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में, सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 10 जून 1981

सं० का० प्र० भ०/0704/2889-नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक, उच्च श्रेणी लिपिक, श्री एस० राघवेंद्र राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में, अवकाश रिक्ति के स्थान पर, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर, दिनांक 1-6-1981 से 17-6-81

81 पर्यन्त अथवा अगले आवेशों तक के लिये—जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 17 जून 1981

सं० 05052/81/फर०/4495—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री सुब्रमणियम नटराजन, अस्थाई फोरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में 1 फरवरी, पूर्वाह्न, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जून 1981

सं० 05000/आर० 1/अपी० पी०/4570—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री पन्द्राथील पञ्चनाभन नाम्बिआर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में, श्री ए० के० निमये, सहायक लेखा अधिकारी जो परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में स्थानान्तरित हो गये हैं, के स्थान पर 20 मार्च, पूर्वाह्न, 1981 से 27 मई, अपराह्न, 1981 तक के लिये अस्थाई रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह अधिसूचना इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 05000/आर० 1/अपी०/2077, दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के स्थान पर जारी की जा रही है।

र० व० कोटिअनकर
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 3 जून 1981

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग स्थाई प्रवरण कोटि लिपिक श्री के० वी० राघवन को दिनांक 20 अप्रैल, 1981 की पूर्वाह्न से 30 मई, 1981 की अपराह्न तक के लिये तदर्थ आधार पर तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड में (र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) स्थानापन्न रूप में अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री जे० एल० जैन, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गये हैं।

द० वि० मरकले
प्रशासनिक अधिकारी-III

2-146GI/81

अन्तरिक्ष विभाग

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380 053, दिनांक 6 जून 1981

सं० अ० उ० के०/इस्ट/आई० एस० सी० ई० एस०/7099/81—निदेशक ने प्रसन्नतापूर्वक श्री विजय जे० भट्ट को अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 27 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से 30 नवम्बर, 1981 तक की अवधि के लिये इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सं० इस्ट०/आई० एस० सी० ई० एस०/9001/81—निदेशक ने प्रसन्नतापूर्वक श्री तिलिम जयन्तिलाल शाह को अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में अप्रैल 30, 1981 के पूर्वाह्न से नवम्बर 30, 1981 तक की अवधि के लिये इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 10 जून 1981

सं० इस्ट०/आई० एस० सी० ई० एस०/5176/81—निदेशक, अ० उ० के० ने प्रसन्नतापूर्वक श्री डी० ए० शाह, अस्थाई इंजीनियर एस० बी० का 1 जून, 1981 के अपराह्न से इस केन्द्र की सेवा से उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सी० आर० शाह,
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० स्था० (1) 04317—भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान के महानिदेशक के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में मौसम विज्ञानी श्रेणी-I, डा० वाई० रामनाथन, शासकीय सेवा से 15-6-1981 अपराह्न से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए।

नूतन दास
निदेशक (प्रशासन)
भारत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1981

सं० ए० 38013/1/81/ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी

सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-4-81 (अपराह्न)
मे अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

दिनांक 15 जून 1981

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री के० जी० लूई	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद।
2.	श्री आर० एस० मन्धू	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन
क्षेत्र महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० ए०—क्षेत्रीय निदेशक,
दिल्ली के कार्यालय के श्री स्वरूप सिंह, विमानक्षेत्र अधिकारी
से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी
सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 मई, 1981 (अपराह्न)
से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1981

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-
लिखित दो तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने
दिये गये स्टेशन पर और वी गई तारीख से छः मास अवधि
के लिये वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार
पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण की तारीख
सर्वश्री				
1.	एस० सी० दुरेजा	वे० सं० स्टेशन, पालम	वे० सं० स्टेशन पालम	30-4-81 (पूर्वाह्न)
2.	एस० पी० जैन	-वही-	-वही-	30-4-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 39012/1/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमा-
निक संचार स्टेशन, अहमदाबाद के श्री वी० वी० सिंह,
संचार अधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 31-3-81 (अप०)
से स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 32013/2/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-
लिखित तीन सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के
नाम के सामने दी गई तारीख से 30-6-81 तक और दिए
गए स्टेशन पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार
पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री				
1.	एस० राघवन	वे० सं० स्टेशन, बम्बई	वे० सं० स्टेशन, बम्बई	16-4-81 (पूर्वाह्न)
2.	के० के० पिल्लै	-वही-	-वही-	2-5-81 (पूर्वाह्न)
3.	जे० के० चोपड़ा	वे० सं० स्टेशन पालम	वे० सं० स्टेशन पालम	2-6-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32013/10/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने
वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम के श्री एन० सदाशिव
शर्मा, संचार अधिकारी को दिनांक 31-3-81 (पूर्वाह्न)
से छः मास की अवधि के लिये वरिष्ठ संचार अधिकारी के
ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक
संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के
कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 16 जून 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० सी०—श्री एस० के०
गुहा, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन,
कलकत्ता ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप
सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-4-81
(अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 18 जून 1981

सं० ए० 32014/5/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर
विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ के श्री ओ०
पी० बतरा, तकनीकी सहायक को दिनांक 29-4-81
(पूर्वाह्न) से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित
आधार पर नियुक्त किया है और इन्हें नागर विमानन
प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/5/80-ई० सी०—इस कार्यालय की
दिनांक 5-5-81 की अधिसूचना सं० ए० 32014/5/80-

ई० सी० की क्रम संख्या 20 में आंशिक संशोधन करते हुए उसे निम्न प्रकार से पढ़ा जाए:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
20.	श्री आई० एस० वेदी	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।

दिनांक 20 जून 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० सी०—नागर विमान विभाग विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से दिये गये स्टेशन से निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	के० जी० जोजफ, सहायक तकनीकी अधिकारी	बै० सं० स्टेशन कोचीन	30-4-81 (अपराह्न)
2.	आर० श्रीनिवासन, सहायक तकनीकी अधि०	बै० सं० स्टेशन, मद्रास	30-4-81 (अपराह्न)
3.	एस० पी० साहनी, तकनीकी अधिकारी	निदेशक रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।	30-5-81 (अपराह्न)

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी० (पार्ट)—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के श्री एस० सुन्दररमन, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 7-4-81 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एस० जी० गोस्वामी को, श्री टी० के० के० नायर,

नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बंगलोर के स्थान पर जो अर्जित छुट्टी पर गये हैं, दिनांक 10-6-81 से 10-7-81 तक तदर्थ आधार पर उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

जे० सी० गर्ग
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 जून 1981

सं० 1/9/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास के तकनीकी सहायक, श्री पी० वी० पेरूमल को 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/118/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा वि० प्र० अ० के सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री वी० वी० बेनेगल को नियमित आधार पर 28 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/185/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा इन्द्रपाल सिंह को 24 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक विदेश संचार सेवा, क्षेत्र कार्यालय, श्रीनगर में अस्थाई रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/490/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के तकनीकी सहायक श्री एम० जे० पुरी को 25 मार्च 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/492/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के तकनीकी सहायक, श्री वी० के० शर्मा को 2 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अहमद उपग्रह भू-केन्द्र लठीवाला, देहरादून में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मल्होत्रा
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महा निदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून-1, दिनांक 12 जून 1981

सं० 16/362/80-स्था०-1—इस कार्यालय की सस-संख्यक अधिसूचना दिनांक 5 जुलाई, 1980 का अधिक्रमण करते हुए अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री पदम सैन को 3 जून, 1980 के

अपराह्न से अन्य आदेश होने तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून का लेखा अधिकारी सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री पदम-सैन की प्रतिनियुक्ति वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय समय पर संशोधित का० जा० सं० एफ० 10 (3 III/60 दिनांक 4 मई, 1961 के प्रावधानों से नियंत्रित होगी।

रजत कुमार

कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

नागपुर, दिनांक 17 जून 1981

क्रमांक 6/81—उनकी स्थानान्तरण के फलस्वरूप, श्री ए० के० कौशल, अधीक्षक श्रेणी "क" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर ने दिनांक 6 मई 1981 के पूर्वाह्न से अतिरिक्त अधीक्षक श्रेणी "क", केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज, बल्लारपुर के पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 7/81—उनकी स्थानान्तरण के फलस्वरूप, श्री हरजिंदर सिंह, अधीक्षक (तकनीकी) श्रेणी "क" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-1, नागपुर ने दिनांक 11 मई, 1981 के अपराह्न से अतिरिक्त अधीक्षक (मूल्यांकन), श्रेणी "क", केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० शंकररामन

समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून, 1981

सं० 8/81—श्री एन० के० आर० नय्यर, मूल्य निर्धारक, सीमा शुल्क गृह, बम्बई ने, निदेशालय के दिनांक 8-12-80 के आदेश सी० सं० 1041/2/81 के द्वारा स्थानान्तरित होने पर, दिनांक 8-5-81 (अपराह्न) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट, बम्बई में, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 9/81—श्री एन० एम० कोहली ने, जो पहले दिल्ली समाहर्तालय में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ता के रूप में कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 13-5-81 के आदेश सं० 81/81 (फा० सं० ए०-22012/18/81-प्रशा० II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरित होने पर दिनांक 3-6-81 (अपराह्न) को निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० जे० रामन

निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1981

सं० ए० 32012/1/81-स्था० 5 (खण्ड 2)—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों के आधार पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में केन्द्रीय जल आयोग में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे निम्नलिखित अधिकारियों को द० 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उसी पद पर नियमित आधार पर, 10 जून, 1981 से, आगामी आदेशों तक, नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं० अधिकारी का नाम

1

2

सर्वश्री

1. एस० पी० सहगल
2. अब्दुल सलीम
3. एस० सी० शर्मा
4. एस० सी० सिंघल
5. आर० एन० तिवारी
6. वी० एन० श्रीवास्तव
7. एच० सी० यादव
8. पी० पी० सिंह
9. बी० पी० पन्त
10. विश्व रंजन दास
11. जे० एन० त्रिवेदी
12. डी० एन० बेरा
13. नरेन्द्र नाथ
14. धमनजीत सिंह
15. एन० मथाई
16. अवधेश शर्मा
17. जी० पी० वर्मा
18. महबूब अली
19. पशुपति दास
20. अशोक अहलूवालिया
21. के० चौधरी
22. मुन्शी राम
23. वी० पी० एस० तोमर
24. जे० सी० वास
25. प्रमोद कुमार
26. राम सुमिराम
27. पी० के० चटर्जी
28. जय राम
29. एन० आर० सी० राव

1	2	तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा के आधार पर रहेंगे।
सर्वश्री		ए० भट्टाचार्य अवर सचिव
30. एस० हरगोपाल राव		
31. जय प्रकाश		
32. उमेश कुमार		
33. एस० डी० खत्री		नाम बदली करना
34. मंगल दत्त		बम्बई, दिनांक 4 मई 1981
35. आर० पी० त्रिपाठी		सं० एच० पी० बी०/गजेटेड/पी० एफ०/बी० टी० — कुमारी बसन्ती तोपो सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी भुसावल ने शादी के उपरान्त इच्छा व्यक्त की है कि भविष्य में उन्हें श्रीमती बसन्ती मिश्र के नाम से संबोधित किया जाये। इसे मान लिया गया है।
36. एम० जी० लुल्ला		टी० न० रामचन्द्रन महाप्रबन्धक
37. आर० एन० राय		
38. विनय कुमार शर्मा		
39. अजय सिन्हा		
40. जगमोहन सिंह तनेजा		
41. ए० डी० सिंह		
42. नकुल देव		
43. आई० सी० त्यागी		पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग)
44. एस० के० बन्बर		कलकत्ता-27, दिनांक 9 जून 1981
45. एस० आर० सेनी		सं० जी०-65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री पराग दत्ता वैज्ञानिक सहायक (रसायन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को, वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) के पद पर उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर दिनांक 23-5-81 (पूर्वाह्न) से किसी अन्य आदेश के निकलने तक नियुक्त करते हैं।
46. रवीन्द्र कुमार बाडला		ए० बैनर्जी उपनिदेशक (प्रशासन) महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह
47. आई० जे० शर्मा		
48. बी० के० मल्होत्रा		
49. बाल किशन		
50. ए० के० एम० गोविल		
51. राजेश्वर प्रसाद		
52. अजय कुमार शर्मा		
53. के० आर० के० शास्त्री		
54. गौतम प्रसाद माथुर		
55. जे० के० चोपड़ा		
56. एम० आर० चक्रवर्ती		
57. जी० एम० मेरानी		
58. बी० ए० सत्यराजन		
59. कीर्ति पी० वेसाई		
60. राजपाल सिंह बीर		
61. शिव शरण		
62. ए० एस० चावला		
63. एस० एल० केबलरमानी		
64. डी० एन० दहिया		
65. बी० पी० रवीन्द्रन		
66. विजय कुमार मिश्रा		
67. छिदा सिंह		

2. उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपर्युक्त

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लां बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एकसतन

कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बेंगलूर, दिनांक 16 जून 1981

सं० 2964/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एकसतन कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो

रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजबानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धनाद
बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1981

सं० 560/2085—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स धनाद बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति-कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स केन ज्यूस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1981

सं० 560/1961—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स केन ज्यूस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वी० वाई० राने
सहायक प्रमंडल पञ्जीयक, गुजरात राज्य

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 20 जून 1981

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/81—श्री ए० रामाकृष्णन, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में दिनांक 26 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, देखिए इस कार्यालय के दिनांक 6 अप्रैल, 1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ 48-ए० डी० (ए० टी०) 81 को अब आयकर अपील अधिकरण अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर 26 जून, 1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री ए० रामाकृष्णन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई वावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० शुक्ला
अध्यक्ष

प्रकरण आई० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/-1/एस०-प्रार०-3/10-80/
5228:—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम—बिजवाशन ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीनार्क ट्रीटरेण एसोसिएट्स प्रा० लि० 111—
अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे रैकट नं० 37 किलानं०
2 माइन 0 (4-09) ग्राम—बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०/3/10-80/

5222:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला, ग्राम-बिजवाशन ।
(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटरेण एसोसिएटेड प्रा० लि० 115
अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे, रैक्ट नं० 37, किला नं०
1 माइन (4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981.
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री चरन सिंह मुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन ।
(अन्तरक)
- (2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटमेंट एसोसिएटेड प्रा० लि० 115,
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5223—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—146GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 विश्वे रैक्ट नं० 37 किला नं०
8 माइ नं० (4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981.
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10/80-

5229—प्रतः सुमे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवाशन, में स्थित
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री चरन सिंह सुपुल साला, ग्राम-विजवाशन ।

(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीनपार्क ट्रीटमेंट एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंसल भवन, 116-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे, रेक्ट नं० 38, किला नं०
15 माइनर (4-09) ग्राम-विजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली ।

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चरण सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन ।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै० प्रीनपार्क ट्रीटरेज एसोसिएटेड प्रा० लि० 115
अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/

5241—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे, रैकट नं० 36, किला नं०
14—माइनर (4-08), ग्राम बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 4-6-1981.
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/एस-आर-3/10/80/
5227—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन,
(अन्तरक)
- (2) मै० ग्रीनपार्क ट्रीटरेण एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे, रैकट नं० 37 किला नं०
10 माहन 0 (4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस्०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, नई दिल्ली

नई-दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5226:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने,
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, में
स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन ।
(अन्तरक)
- (2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटमेंट एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे रैकट नं० 36 किला
नं० 6 माइन (4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली,

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन्. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 फरवरी, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/10-80/

5221:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयता) से अधिक होने के कारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाल, ग्राम-बिजवाशन।
(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटरेज एसोसीएट्स प्रा० लि० 115,
ग्रंथल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तर्गत के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे, रकत नं० 37, किला नं० 11 साईन 0(4-09) ग्राम-बिजवाशन।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रैंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एच० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर/3/10-80/
5220—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(1) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटमेंट एसोसीएटेड प्रा० लि० 115,
अंसल भवन 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे, रिकट नं० 6, किला नं०
21 माई० (4-09), ग्राम-बिजवाशन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10/80/5224:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए पंटरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पट्टा गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से तथा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र खाना ग्राम-बिजवाशन।

(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटमेंशन प्रमिसीएटेड प्रा० लि० 115 ग्रंथाल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किलो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे रेक्ट नं० 37, किला नं० 9 माइन० (4-09), ग्राम-बिजवाशन।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रमुख कार्य: डी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/एस० आर०-3/10/80/5225:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धारण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-146GI/81

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन।
(अन्तरक)
- (2) मैं श्रीन पार्क टीटरश एसोसीएटेड प्रा० लि० 115-
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किमी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदनास्थिति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 3 विघे और 9 विघे रेकट नं० 6 किला नं० 21 माइन० (0-07) रेकट नं० 36 किला नं० 6 माइन० (0-07), 14 माइन० (0-07), 15 माइन० (0-07) रेकट नं० 37, किला नं० 1 माइन० (0-07), 2 माइन० (0-07), 8 माइन० (0-02), 9 माइन० (0-02), 10 माइन० (0-07), 11 माइन० (0-07) और 26 (0-09), ग्राम-बिजवाशन।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख: 3-6-1981.

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस-आर-3/10/80/5098:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विजवाशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या अज्ञात में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर सिंह सुपुल श्री नन्हे ग्राम-विजवाशन, (अन्तरक)

(2) मै० ग्रीनपार्क टीटरेण एसोसीएटेड प्रा० लि० 115-अंसल भवन, 16के० ज० ए० र० लि० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 3 बिघे और 19 बिघे, रेकट नं० 37, किला नं० 22(3-19) ग्राम-विजवाशन।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/एत-प्रार-3/10/80/
5097:—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है
(और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
311 से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्व में
कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर सिंह सुपुत्र श्री नन्हे ग्राम-बिजवाशन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीन पार्क टीटरेण एसोसीएटेड प्रा० लि० 115-
अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रालोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 9 बिघे रेक्ट नं० 37, किला नं०
23(4-07) और 29(0-02) ग्राम-बिजवाशन।

विमल वशिष्ठ;

सक्षम अधिकारी;

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रज 1, नई दिल्ली

तारीख : 5-6-1981.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

(1) श्री महेवीर सिंह मुकुल श्री नन्हेय ग्राम-बिजवाशन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सी० ग्रीन पार्क टूरिश्म एसोसीएटेड प्रा० लि०, 115
मंशल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त सहायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवाई गईं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति :-

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/एस-आर/3/10-80/
5095:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवाज
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अजोहस्ताभरी के बिना
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

कृषि भूमि क्षेत्र 3 बिघे और 7 बिघे, रेक्ट नं० 44, किल नं०
1-साउथ (3-07) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 5-6-1981.

मोहर :

प्रकरण आई. डी. एन. एस.

(1) श्री महाबीर सिंह सुपुल श्री नन्हेय, ग्राम—बिजवाशन ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मै० ग्रीन पार्क टूटरेण एसोसीएटेड प्रा० लि० 115—
अंसल भवन, 16—के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/

5095:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अन्तर्गत सूचनापत्र जारी करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और इससे 'उपावृद्ध' अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त प्रन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविले में कमी करे या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षर:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे 16 बिघे रैक्ट नं० 45, किला नं० 5(4-16) ग्राम—बिजवाशन।

विमल बशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।तारीख: 5-6-1981.
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री दिवान सिंह सुपुल श्री रीसल, ग्राम—बिजवाशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै० ग्रीन पार्क टीटरेण एसोसीएटेड प्रा० लि० 115—
भंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5094:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिघे और 4 बिघे, रैक्ट नं० 37, किला नं०
21(4-08) और रैक्ट नं० 44, किला नं० 1 नर्थ (0-16),
स्थापित ग्राम—बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 5-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5232:—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1990

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से तबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात:—

(1) श्री सुरेन्द्र, नरेन्द्र और सतेन्द्र सुपुत्र स्वर्गीय श्री
भगवान सिंह और माता श्रीमती गीर्दोदी, ग्राम-
बिजवाशन ।

(अन्तरक)

(2) मै० दीपशिखा इस्टेट्स प्रा० लि० 115-अंसल
भवन, 15-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/12 भाग कृषि भूमि क्षेत्र 46 बिघे और 18 बिघे, रेक्ट
नं० 6, खसरा नं० 18(4-16) 19(4-16), 22(4-16),
23(4-16), रेक्ट नं० 36, खसरा नं० 16(4-02), 17
(4-08), रेक्ट नं० 37, खसरा नं० 3(4-16), 12(4-16),
19(4-12), 20(4-16) और 23(0-04) ग्राम-बिज-
वाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 3-5-1981.

मोहर :

प्रकरण आई. टी. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत: सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/10/80/
5231:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्तः अस्थिरता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजिन्दर सिंह और राजेश, सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री मीर सिंह ग्राम-बिजवाशन।

(अन्तरक)

(2) दीपशिखा इस्टेट प्रा० लि० 115-अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 भाग=46 बिघे और 18 बिघे, रेक्ट नं०, 6, खसरा 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16), 23(4-16), रेक्ट नं० 36, 16(4-02) 17(4-08), रेक्ट नं० 37, खसरा नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12) 20(4-16), और 23(0-04), ग्राम बिजवाशन।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० ६६०—

आरक्षक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

न्यायनिय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/5238:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वयंसेवक के प्रति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और इससे उपायय प्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कर्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धृत के उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

5—146GI/81

(1) श्री शर्मा सिंह, राज कुमार सुपुत्र श्री लखी सुरेन्द्र, मरिन्द्र, लतेन्द्र कुपुत्र स्वर्गीय श्री भगवान सिंह, राजेश्वर सिंह और राजेश सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री मीर सिंह, ग्राम—बिजवाशन । (अन्तरक)

(2) मै० बी० शिखा इस्टेट प्रा० लि० 115—ग्रंथल भवन, 16—के० जी० मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करेगा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोत्तरावली के पास लिखित में किया जा सके ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्से कृषि भूमि का क्षेत्र 46 बिघे और 18 बिघे रेक्ट नं० 6 किला नं० 1(4-16), 19(4-16), 22(4-16), 23(4-16), रेक्ट नं० 36 किला नं० 16(4-02), 17(4-08) रेक्ट नं० 37 (किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12), 20(4-16) और 28(0-04) ग्राम—बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I नई दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10/80/

5237:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शामेय सिंह सुपुत्र श्री लखी ग्राम-बिजवाशन ।

(अन्तरक)

(2) मै० दीप शिखा एस्टेट प्रा० लि० 115-ग्रंथल भवन,
16-कै० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1/12 हिस्सा 46 बिघे और 18 बिघे रेक्ट
नं० 6 किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16),
रेक्ट नं० 36, किला नं० 16(4-02), 17(4-08), रेक्ट नं०
37 किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12),
20(4-16) और 28(0-04) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज I, नई दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आरू/3/10-80
5230:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्तव्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री शामे सिंह सुपुत्र श्री लखी, ग्राम-बिजवाशन ।
(अन्तरक)
- (2) म० दीप शिखा एस्टेट प्रा० लि० 115-ग्रंथाल भवन,
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1/12 हिस्सा का 46 बिघे और 18 बिघे,
रेक्ट नं० 6, किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-
16), रेक्ट नं० 36, किला नं० 16(4-02), 17(4-08),
रेक्ट नं० 37, किला नं० 3(4-16), 12(4-16),
19(4-12) 20(4-16), और 28(0-04) ग्राम-बिजवाशन,

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

प्राकृत्य आई० सी० एन० एच०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 के (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एच-आर-3/10/80/

5234:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 उसके प्रस्तावित 'अंशित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विजवाशन में स्थित है
 (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
 प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 12 पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरक
 लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उचित
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 आयिम्ब में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार, सुबुख श्री लखी ग्राम-विजवाशन,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपशिखा इस्टेट प्रा० लि०, 115-ग्रंथल भवन,
 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 90 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होना, जो उक्त अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 भाग 46 बिघे और 18 बिघे,
 रकत सं० 6, किला नं० 19(4-16), 19(4-16), 22(4-16)
 रकत सं० 36, किला नं० 10(4-02), 17(4-08) रकत नं०
 37, किला नं० 3(5-16), 12(4-16), 19(4-12);
 20(4-16) और 28(0-04), ग्राम-विजवाशन।

विमल वशिष्ठ,
 सक्षम अधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रकट आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5235:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित:—

(1) श्री राज कुमार सुपुत्र श्री लखी ग्राम—बिजवाशन ।
(अन्तरक)

(2) म० दीप शिखा एस्टेट प्रा० लि० 115—अंसल भवन,
16—के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहुस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/12 भाग 46 बिघ और 18 बिघे रेक्ट
नं० 6, किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16),
रेक्ट नं० 36 किला नं० 16 (4-02), 17(4-88), रेक्ट
नं० 37 (किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12),
20(4-16), और 28(0-84) ग्राम—बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर/3/10/80/

5233:—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, चिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमो करने या उन्से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा हिस्सा प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश, नरेन्द्र और सत्येन्द्र सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री भगवान सिंह ग्राम—बिजवाशन ।

(अन्तरक)

(2) म० दीपशिखा एस्टेट्स प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 हिस्सा 346 बिघे और 19 बिघे, रेक्ट नं० 6, किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16), 23(4-16), रेक्ट नं० 36, किला नं० 16(4-02), 17(4-08), रेक्ट नं० 37, किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12), 20(4-16), और 23(0-04), ग्राम—बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/5230:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन, दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1981.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में दृष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राजीन्दर सिंह, राजेश सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री मीर सिंह ग्राम-बिजवाशन ।

(अन्तरक)

(2) मै० दीपशिखा इस्टेट प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के पत्र के सम्बन्ध में कोई भी प्रश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वाराधारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 हिस्सा 46 बिघे और 18 बिघे, रेक्ट नं० 6, खसरा नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16), 23(4-16), रेक्ट नं० 36 खसरा नं० 16(4-02), 17(4-08), रेक्ट नं० 37, खसरा नं० 3(4-16), 12 (4-16), 19(4-12), 20(4-16) और 23(4-04) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रकृष आर्. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5014:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रीमन्यु इस्टेट ग्राम-बिज-
वाशन, में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री कन्वार लाल और हासीमार सिंह सुपुत्र पुरन,
श्रीमती भरजू देवी एरियम मारवान पत्नी श्री कन्वार
लाल, ग्राम-बिजवाशन।

(अन्तरक)

(2) मै० सूरज कन्सल्टेशन और इस्टेट प्रा० लि० 115-
अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपत्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 4 बिघे, रेक्ट नं० 36, खसरा नं०
18(4-938) रीवेन्यू एस्टेट ग्राम-बिजवाशन।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5013—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रिक्वायर्ड ग्राम-बिजवाशन
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वारियल्स में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--
6-146GI/81

(1) श्री कन्वार लाल और होसीयार सिंह सुपुत्र श्री पुरन
और श्रीमती सरजू बेबी एलीयस मारवान, पत्नी श्री
मनवार लाल, ग्राम-बिजवाशन ।

(अन्तरक)

(2) मै० सूरज कन्सल्टेशन इस्टेट प्रा० लि० 115-अंसल
भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अवसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बिघे, रेकट नं० 36, खसरा
नं० 23(4-16), रिक्वायर्ड ग्राम-बिजवाशन ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली ।

तारीख : 3-6-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10/80/
4954/-—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मोदाईपुर, मेहरोली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
थे कि किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री तुलसी राम, फतेह चन्द, बलबीर सुपुत्र श्री समवेया,
ग्राम-मोघपुर, मुनिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओ० एम० पी० बिल्डर्स, 12 रीगल बिल्डिंग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिघे और 18 बिघे, किला नं० 61. ग्राम
मेवाईपुर, मेहरोली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एउ-आर-3/10-80-4955:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रयोजन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—गोदाई पुर, महारौली, में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा '1' के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तुलसी राम, फतेह चन्द, बलबीर सिंह सुपुत्र श्री रामदेया ग्राम—मोहदपुर, मुनिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० एम० पी० बिल्डर्स : 12—रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बिघे, खसरा नं० 162 ग्राम—गोदाई पुर, तहसील—महारौली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/10/80/

4952:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गढ़ीपुर, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तुलशो राम, फतेह चन्द और बलबीर सुपुत्र श्री राम-देया ग्राम—मोहदपुर, मुनिकी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० एम० पी० बिल्डर्स, 12—रीगल बिल्डींग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बिघे, किला नं० 42, ग्राम—गढ़ीपुर, मेहरोली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/L/एस०-आर-3/10/80/
4956:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदहपुर, महरौली,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली नई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री तुलसी राम, फतेह चन्व, बलबीर सुपुत्र श्री रामदहिया,
ग्राम मोहपुर मुनिर्का, नई दिल्ली। दहिया

(अन्तरक)

(2) श्री० एम० पी० बिल्डर्स, 12-रीगल बिल्डिंग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पद होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बिघे, खसरा नं० 43,
ग्राम-गदहपुर, महरौली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
4957:—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदहपुर, महरोली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तुलसी राम, फतेह चन्द, बलबीर सुपुत्र श्री रामबहा,
ग्राम-मोहदपुर मुनिकर्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० एम० पी० बिल्डर्स, 12-रीगल बिल्डिंग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिघे और 18 बिघे, खसरा नं० 40/1
(0-13), 40/2 (5-1), 64-माइन० (0-4), ग्राम-गदह-
पुर, महरोली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रकल्प अर्द्ध.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस-आर-3/10-80/
4953:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गढ़ईपुर, मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री तुलसी राम, फतेह चन्द, बलबीर सुपुत्र श्री राम-दहया, मोहवपुर, मुनिर्का, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) ओ० एम० पी० बिन्डर्स, 12-रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिघे और 16 बिघे, किला नं० 63, ग्राम—गढ़ई पुर, मेहरौली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भाउत सड़काउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस-आर-3/10-80/
5371:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्तूबर, 1981 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय. की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल,
ग्राम-देवली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14,
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रवर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 बिघे और 10 बिघे रेक्ट नं० 11 किला नं०
2 माहुर (1) और 23 माहुर (1-00), रिभस्यु इस्टेट,
ग्राम-देवली ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली ।

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस-आर-3/10-80/
5376:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विपदा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर के निमित्त में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर के तहत किसी आय की वृत्त उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में स्वयं के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल
ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलाबा राम, सी-14,
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और 9 बिघे रैकट नं० 11, किला नं०
23 माइनर (2-09) ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 4-6-1981.

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस-आर-3/10-80/
5373:—अतः मुझ, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उचित बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य धातुओं
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल
ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी०-14,
ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैधतापूर्वक के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 3 बिघे और 7 बिघे, रैकट नं० 11,
किला नं० 13(3-07), ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1981.
मोहर :

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०-I/एस०-आर-3/10-81/5372:—प्रतः मुझे, बिमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल ग्राम-देवली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14, ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और 3 बिघे, रेक्ट नं० 11, किला नं० 24 माइनर (2-05), ग्राम-देवली।

बिमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 4-6-1981

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/5375:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री कनवाल सिंह, प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल ग्राम-देवली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14, ग्रीनपार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और 8 बिघे रेक्ट नं० 11, किला नं० 3 माइनर (2-08), ग्राम-देवली, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रकृष आर्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/10-
80/5374:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुणवत् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधाके लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कमबाल सिंह, प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल
ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलाबा राम, सी-14;
ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 2 बिघे और 3 बिघे, रैकट नं० 11, किला
नं० 14 माइनर (2-05), ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1981
मोहर:

प्रकृष बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-ब (1) के प्रथम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/10-80/5373:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल, ग्राम-देवली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी०-14 ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्व्यो व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 2 बिघे और 3 बिघे, रैक्ट नं० 11, किला नं० 4 माइनर (2-33) ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1981
मोहर :

प्रथम आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/10-80/5371:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल दृश्यमान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14, ग्रीनपार्क एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और रेक्ट नं० 11, किला नं० 24। माइनर (2-00), ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/10-80/5363:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करन सिंह सुपुत्र श्री अमी चन्द, ग्राम-देवली।
(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14,
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और 8 बिघे रेक्ट नं० 12, किला नं० 16 माह० (2-08) ग्राम देवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/10-80/
5362:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-146GI/81

- (1) श्री करन सिंह सुपुत्र श्री अमी चन्द, ग्राम-देवली ।
(अन्तरक)
- (2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14;
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और 8 बिघे, रेक्ट नं० 12, किला नं०
16 माइनर (2-08), ग्राम-देवली ।

विमल बशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली ।

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल ग्राम—देवली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14, ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/10-80/

5378:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—देवली में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त संपत्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्राप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे रैकट नं० 11, किला नं० 14 माइन० (2-00) ग्राम—देवली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 5-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री करनार सिंह सुपुत्र श्री राम चन्द्र, ग्राम-नेब सराय।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० एम० पुरी सुपुत्र श्री सी० एल० पुरी ए-1,
गीतांजली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1एस-आर-3/10-80:—

5088 अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नेब सराय, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 बिघे और 15½ बिघे 1/4 हिस्सा है।
खसरा नं० 19/2(1-08), 279/2(3-06), 180(1-00),
281(2-02), 282(2-00), 284(3-10), 297
(2-16), 301/1(1-15), 385/1(2-09), 399(0-06),
421(4-10), 659(4-16), 660(4-16), 661/1
(3-12), 661/2(1-04), 662/1(3-12), ग्राम-नेब
सराय, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख :- 4-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ /एस-आर-II/10-80/

3812:—अतः मुझे, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जेड-66 है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतीश कुमार शर्मा सुपुत्र वेद भगवान दास और :
श्री सोम नाथ शर्मा सुपुत्र वेद भगवान दास निवासी
जे-10/1 राजौरी गार्डन नई दिल्ली अटारनी श्रीमती
सुनीता शर्मा ।

(अन्तरक) :

(2) श्री मीरा गुप्ता पत्नी श्री सुभाष गुप्ता निवासी जेड-66
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-धृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० जेड-66, राजौरी गार्डन गांव तातारपुर, नई दिल्ली क्षेत्रफल 500 वर्ग गज ।

विमल विशिष्ट,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 17-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II-एस-आर I/10-80/
7014:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 है तथा जो रोड़ नं० 32, पंजाबी
बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ओम प्रकाश तनेजा सुपुत्र श्री भोला राम तनेजा
निवासी 4/37 डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्री सुखबीर सिंह जैन सुपुत्र श्री भीठन लाल जैन (2)
सुरेश कुमार जैन (3) सुशील कुमार जैन और अनील
कुमार जैन सुपुत्र श्री सुखबीर सिंह जैन निवासी 14/32,
पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2 ½ मंजिला भूधरा मकान प्लॉट नं० 13 रोड़ नं० 32
पंजाबी बाग नई दिल्ली क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली -110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस-आर-II/10-80/
3897:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-112 (डब्लू जेड-216) है तथा जो ब्लाक
जी, हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाव अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मनोहर लाल चौधरी सुपुत्र श्री दौलत राम निवासी
डब्लू जेड-216 ब्लाक जी०, हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सरदार सिंह सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह निवासी मकान नं०
जी-112 (डब्लू जेड-216) ब्लाक जी, हरी नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जी-112 (डब्लू जेड-216) ब्लाक जी, हरी
नगर नई दिल्ली क्षेत्रफल 200 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 17-6-1981.
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/

:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-137 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री किशनलाल निवासी बी 1/31 जनकपुरी नई दिल्ली एम० सी० ओबराय निवासी ए-43 राजौरी बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री अजुध्या प्रसाद (2) श्रीमती सरोज गुप्ता
(3) श्री सुरेन्द्र कुमार (4) दिनेश कुमार निवासी 20 दक्षिण पश्चिम रोड़ पजाबी बाग एक्सटेंशन नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नहीं दी गई है ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/

अतः मुझे विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 4551/4556, 1-1/16 है तथा जो दरया गंज नई दिल्ली 110002 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भीम देव चोपरा पुत्र श्री गंगा राम चोपरा निवासी 11/3831 दरया गंज, नई दिल्ली-110002 ।
(अन्तरक)

(2) श्री राधा किमान सेठ पुत्र श्री मोहन लाल सेठ निवासी शान्ति मोहन निवास 16 दरया गंज, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आयवाद नं० 4551-4556, 1-1/16, दरया गंज, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981
मोहर :

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यपालक सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं० एआर/ए० सी०/एफ०-11/एस०आर-V/10-80/
3827:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विचार करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14 ए रोड नं० 47 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड मनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
प्राप्त प्राप्त प्रतिफल, निम्नलिखित उपबोध से उक्त अन्तरण
प्रतिफल से आंशिक रूप से कटित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती अन्तरक नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

इस प्रकार, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को अति :-
9-146GI/81

(1) श्री टी० डी० चान्दना सुपुत्र श्री नवनील मन निवासी
14-ए/47 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सावित्री देवी पत्नी श्री जगदीश चन्द श्री सूरज
प्रकाश, (3) चन्द प्रकाश और श्री वेद प्रकाश सुपुत्र
श्री जगदीश चन्द निवासी 3034 काजी बाबा,
दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 14-ए, रोड नं० 47, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०

:-अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 सड़क नं० 47 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्रीमति शकुन्तला देवी स्त्री लेट श्री देवराज सभरवाल निवासी 13/28 शक्ति नगर, दिल्ली-7।

(अन्तरक)

- (1) 1. श्री एस० के० गुप्ता (2) श्री ब्रिज मोहन गुप्ता, (3) श्री मदन मोहन गुप्ता, (4) श्री जीतेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री टोटा राम गुप्ता निवासी म० नं० 8 सड़क नं० 47, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2½ स्टोरी जायदाद 279.55 गज जायदाद नं० 8, सड़क नं० 47 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्पू/II/एस-आर-I/10-80/
7047:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9/3057 है तथा जो गली राजा सोहनलाल
बाजार सीताराम दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तरसेम चन्द मित्तल, (2) सुभाष चन्द मित्तल
सर्वश्री पुत्र कुन्दन लाल निवासी 2035 बाजार सीता
राम दिल्ली-6 ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम भवतार (2) भानन्द कुमार, (3) लक्ष्मी
नारायण पुत्र श्री रामेश्वर दास निवासी 2192
कुंवा आशील खान बाजार सीता राम दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दो मजिला मकान जिसका नं० 9/3057, गली राजा
सोहन लाल, बाजार सीता राम दिल्ली, जिसका क्षेत्रफल 496
वर्ग गज है ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981
मोहर :

अर्थः आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर० I/

10-80/7021—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

जिसकी संख्या एन०-25, है तथा जो राजोरी गार्डन, में स्थित
है (और इससे उल्लेख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
अंश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे
प्रतिफल, निम्नलिखित संकेतों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कही
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 23)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1) श्री एम० दलजीत सिंह सुपुत्र श्री स्वर्गीय एस०
जान सिंह एन०-25, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार मलहोत्रा सुपुत्र श्री गुरुवीरता राम
बी-75, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि की अवधि के अन्तर्गत व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो की अवधि की
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और चीजों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत 269-ब में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमिगत प्लॉट संकान सं० एन०-25, क्षेत्रफल 512,
वर्ग गज राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, ग्राम धर्माई, दारापुर
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/II-
80/7196:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8, है तथा जो नार्थ एवन्गु रोड, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्दा प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में
कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुदर्शन कुमार सुपुत्र श्री हिरा नन्द, 8-नार्थ एवन्गु
रोड, पंजाबी बाग नई दिल्ली-26, और श्रीमति
विद्यावती पत्नी श्री एच० एन० भाटिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमारी पत्नी श्री कृष्ण लाल सचदेव और
कृष्ण लाल सचदेव सुपुत्र श्री दीवान चन्द सचदेव,
31/71, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8-नार्थ एवन्गु रोड, क्षेत्रफल 557.41 वर्ग गज
नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,
संक्षेप प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1981
मोहर :

प्रकट आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस-आर-I/10-80/
6888:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रचीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 49 है तथा जो राजा गार्डेन एरिया ग्राम—बसई
वारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पचासवें वर्ष सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन चन्द चेरीटेबल ट्रस्ट सोसाइटी रेंज 19-
गोल्फ लिंक नई दिल्ली द्वारा चेयर मैन श्री रतन चन्द
सूय ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दर मोहन दुगल, सुपुत्र श्री हन्स राज दुगल
19/10, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49, क्षेत्रफल 257.7/9 वर्ग गज, राजा गार्डेन
एरिया ग्राम—बसई वारापुर, दिल्ली ।

विमल बशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 9-6-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस-आर-I/10-80/

7033:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं०-18, बी-4, है तथा जो राणा प्रताप बाग, सधोरा कलन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० हरमोहिन्दर सिंह प्रेसिडेंट मै० मोन्टगोमरी को-आप० गुड्स ट्रान्सपोर्ट सोसाइटी लि०, रोशनारा रोड, दिल्ली 396870 रोशनारा रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल सुपुत्र श्री पन्ना लाल जैन और श्री अरुन कुमार जैन सुपुत्र श्री चमन लाल जैन, 132, वीर बजार कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 ङ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लैन्ड क्षेत्र 347.4 वर्ग गज, प्लॉट नं० 18, बी-4, स्थापित राणा प्रताप बाग, ग्राम-सधोरा कलन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 9-6-1981

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजुन रेंज—, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस-आर-I/10-80/
7035:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० XII/8685 से 9689 (पुराना) XII/8791/3
(नया) है तथा जो रोशनारा रोड़ सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यमवर्गीय संपत्ति का अचित्त बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुप चन्द जैन, सुपुत्र श्री लाला कृशन लाल जैन
XII/8791/3, रोशनारा रोड़, सब्जी मंडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी श्री धनपत राय, XII/
8791/3, रोशनारा रोड़, सब्जी मंडी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० XII/8685 से 9689 (पुराना) और XII/8791/
3 (नया) क्षेत्रफल-254.25 वर्ग गज, रोशनारा रोड़, सब्जी
मंडी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजुन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 9-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस-आर-I/10-80/
7048::—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2-ए, ब्लॉक 'जी'-20, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपान्वृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-
10-146G1/81

(1) श्री सत्य भूषण और सुभाष चन्द्र सुपुत्र श्री देवकी नन्दन, ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण ल एल तुलसी दास, और हर बंश लाल सुपुत्र श्री राम कृष्ण, 187-डी, नई कालोनी, बस्ती, दिल्ली।

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 स्टोरेज भवन प्लॉट नं० 2-ए, ब्लॉक नं० 'जी'-20,
क्षेत्रफल 140 वर्ग गज राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ग्राम-बसई
दारापुर्ग, दिल्ली

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/एम-आर-I/10-80/

7055:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 20,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 1154, तथा नं० 2513 है तथा जो गली चमारवारा खुर्द तिलक नगर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती चन्द्रो देवी पुत्री श्री नन्द किशोर परनी श्री बाबुराम 2513, गली चमारवारा खुर्द, तिलक बजार, फाटक हवास खान, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० नाथु मल दास राज 'गवाला कन्ना तोबैच, दिल्ली-6, द्वारा देवराज खुराना सुपुत्र श्री देश राज खुराना सी-96, अशोक विहार, फेस-1, दिल्ली-32।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० पुराना 1154, तथा नं० 2513, गली चमार वारा खुर्द, तिलक बजार, फाटक हवास खान, बार्ड नं० 3, दिल्ली-6.

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम के धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

तारीख : 9-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस-आर-1/10-80/
7057:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं०-33 ब्लाक भी तथा जो राजोरी गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्व,
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्णतः संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) मै० नवमाला कन्सट्रक्शन पार्टनरशिप, सन्सर्न जे-164
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, द्वारा पार्टनर श्री पी०
एस० चट्टा इन्दर पालसिंह, बलविन्दर सिंह, सर्वजीत
सिंह, अजीत सिंह और इन्दर पालसिंह ।।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कृष्ण, श्री हरबंस लाल श्री गुरबचन लाल,
दलीप कुमार, डी-17, नई कालोनी, मोडल बस्ती,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 33, ब्लाक 'सी' क्षेत्रफल-1030 वर्ग गज, राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 9-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस-आर-1/10-80/
7052:—अतः भुक्त, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19-ए, है तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्णित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) मै० एस० चन्द्र एण्ड कं० लि०, द्वारा श्री श्याम लाल
गुप्ता, रामनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० टेलीविजन एण्ड कम्पोजिट्स प्रा० लि० मैनेजिंग
डायरेक्टर श्री जे० एस० झावरी, 5-दरिया गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर 19-ए, दरिया गंज, नई दिल्ली म्युनिसिपल न०
4633-1472 वर्ग फिट।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 16-6-1981.

मोहर :

प्रमुख आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस-आर-2/10-30

7075:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० डी-1/1, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) स्वर्गीय करनल-सर्डीक एडवीन कनीघाम फ्रेन्सीस (भारतीय आर्मी से अवकाश प्राप्त) सुपुत्र स्वर्गीय श्री अलम कनीघाम फ्रेन्सीस, डी-1/1, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मेला सिंह सुपुत्र एस० सुरजीत सिंह 2/55, डब्ल्यू० एच० एस० कोटि नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

112-धर्मगंज, प्लॉट नं० डी-1/1, राजोरी गार्डन, ग्राम-बसई दारापुर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस-आर-1/10-80/
7077:—अतः मुझ, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-2/16, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री सुशील कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री गोपी चन्द शर्मा ई-99, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री परसातम दास एग्रवाल सुपुत्र श्री मंगी लाल अग्रवाल, सी-2/176, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो सजिली मकान नं० सी-2/16, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,

सक्षम अधिकारी,,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती कमला बाई, पत्नी, श्री हंसा नन्द नागपाल
6/3, सिंह सभा रोड़, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू-II/एस-आर-1/10-80/

7020:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-29, है तथा जो अशोका रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी-29, अशोका रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1981.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी./एक्यू०/-II/एस-आर-1/10-80/

7054:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9-ए है तथा जो दरिया गंज दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तःकरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

(1) मै० एस० चन्द एण्ड कं० लि०, मैनेजिंग डाइरेक्टर,
श्री श्याम लाल गुप्ता, रामनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० एटलस रेडियो ट्रेड्स पार्टनर श्री जे० एस०
झावरी, 5प्रदरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नं० 19-ए, दरिया गंज, क्षेत्रफल—1500 वर्ग गज, ग्राउण्ड
प्लोर नई दिल्ली म्युनिसिपल नं० 4633।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून, 1981

निर्देश सं० आई ए०सी०/एक्यू०-IIएह-आर-1/10-80/
6995:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी संप्लाट नं० 1क है तथा जो रामा रोड़, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कि या जाना चाहिए या ठिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11-146GI/81

- (1) श्री चुनी लाल सेधी, सुपुत्र श्री लाला खना चन्द सेठी
डी:8, राना प्रताप बाग, दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल गुप्ता, सुपुत्र श्री जय लाल गुप्ता,
ग्राम और पो० बैकनर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तावरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वसटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय

अनुसूची

प्लाट नं० 12, रामा रोड़, दिल्ली एरिया क्षेत्रफल-365 वर्ग
गज, खसरा नं० 36 और 38, आदर्श नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज—, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1981.

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस-आर-1/10-80/

7007:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विद्वान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 28 ब्लाक 'सी' है तथा जो नेहरू रोड,
आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सन्निधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सन्निधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलदेव कृशन सूद, सुपुत्र श्री विलायती राम सूद,
सी-41, आचार्य कृपलानी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल गुप्ता सुपुत्र श्री टीका राम, बी-4ए/
10, आर० पी० बाग, दिल्ली, श्रीमती किरन बती
पत्नी श्री आर० डी० गर्ग।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 28, ब्लाक 'सी' नेहरू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली
क्षेत्र 200 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1981.
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती मेमो देवी जैन, विधवा पत्नी श्री प्रेम चन्द जैन, सी-15/ई, डी० डी० ए०, प्लेट्स, मुनिका, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी/एक्यू०-II/एस०-आर-1/10-80/

7066:-अतः मुझे विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2392-2403 है तथा जो चेता शाहजी आवरी बाजार दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 अनिश्चित हिस्से प्रोपर्टी नं० बी/2392-2403, चेता शाहजी, चावड़ी बाजार, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज , नई दिल्ली ।

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस-आर-1/10-80/

7091—अतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-5, एस० एम० ए० है तथा जो को० आप० इन्डस्ट्रियल स्टेट लि०, गांव हैदरपुर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्रीमती पूरन देवी जैन, 6086, बारी मार्किट, सदर बाजार, दिल्ली-6.

(अन्तरक)

(2) श्री वीरा वुल्लन मिल्स (प्रा०) लि०, 6066, बारी मार्किट, सदर बाजार, दिल्ली-6.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी नं० डी० 5, एस० एम० ए० को-आपरेटिव इंडस्ट्रियल स्टेट लि० गांव हैदरपुर जी० टी० रोड, करनाल दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1214.6 वर्ग गज है।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस-आर-1/10-80/
7101:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० ए-1/10, है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि:—

(1) श्री सूरज भान खन्नाडेलवाल सुपुत्र श्री मन्ना लाल और
श्रीमती शान्ता खन्नाडेलवाल पत्नी श्री सूरजभान, ए०-
1/10, माडल टाऊन, दिल्ली, एस और ए प्रपर्स लि०
57/58, पदमराव रोड़, लिसस्टर् (यू०के०) द्वारा
अटर्नी श्री राम गोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री अल्का वेद, पत्नी श्री विजय कुमार और श्रीमती
कुसुम वेद पत्नी श्री अशोक कुमार, ए-1/10, माडल
टाऊन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख 30 दिन तो अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

2 1/2 ढाई मंजिली मकान नं० ए०-10, माडल टाऊन, दिल्ली,
क्षेत्रफल 450 वर्ग गज, एरिया ग्राम—मलीकपुर छावनी, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली ।

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मै० एस० चन्द एण्ड लि० द्वारा श्री श्याम लाल प्ला
राम नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) की अधीन सूचना(2) मै० एटलस रेडियो एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इन्डस्ट्रीज प्रा०
लि० द्वारा श्री जे० एस० शबरी 5-दरिया गंज दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-1/20-
30/7053—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 19-ए, है तथा जो दरियागंज दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक कथन रूप से नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मध्य भाग ग्राउण्ड फ्लोर 19-ए, दरियागंज नई दिल्ली
म्युनिसिपल नं० 4633-1064 वर्ग फीट एरिया।विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 16-6-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-2/10-80/7094—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15, ब्लॉक नं० 'इ' है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित 1 व्यक्तियों, प्रकट :—

(1) मै० गुरबक्श सिंह राम चन्द एण्ड कं० प्रा० लि० 8/86, रमेश नगर, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री राम चन्द और डाइरेक्टर श्री गुरबक्श सिंह, (अन्तरक)

(2) श्री मुकुन्द लाल और रमेश कुमार सुपुत्र श्री मूख चन्द, ई-13, राजोरी गार्डन नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15, ब्लॉक नं० 'इ' क्षेत्र 598.44, वर्गगज, टोटल क्षेत्रफल 630 वर्ग गज, राजोरी गार्डन एरिया ग्राम-बसई दारापुर, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वेद प्रकाश, सत नरायणा सुपुत्र श्री हरी राम जी-118, (डी० एस०) मोतीया खान, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञानवती जैन, पत्नी श्री गोपी राम जैन, श्रीमती मुनी देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद जैन, 1731, गली नं० 126, ब्रीनगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-210/80/

3810—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी० एल०/70, है तथा जो हरीनगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निजी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी०-एल/70, स्थापित-एल० ब्लॉक हरी नगर, दिल्ली क्षेत्र ग्राम-तिहाड़, क्षेत्रफल 223.88 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली-110002,

दिनांक : 6-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 जन 1981

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू/11/एस० आर०-2/10/80/
3836/—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1/3 है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या प्रा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—146GI/81

(1) श्री हमेश सिंह, देश राज, मूलख राज और सुरिन्द्र
कुमार सुपुत्र श्री नेला राम अन्धन, बी-1/84, जनक
पुरी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० बी० और सी० एक्सपोर्ट्स-135, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली, द्वारा हिस्सेदार श्री सतपाल सिंह,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-1/3, क्षेत्र 214-वर्ग गज, राजौरी गार्डन,
ग्राम-ततारपुर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II

10-80/3884--अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15, वर्ग 'सी' तथा जो वेस्ट एवेन्यू
रोड़ पंजाबी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री विशम्बर नाथ कपूर सुपुत्र श्री तेजा मल कपूर
मकान नं० 55, रोड़ नं० 2, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार मोंगा, सुपुत्र श्री सुरी लाल मोंगा
11/13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15, वर्ग 'सी' वेस्ट एवेन्यू रोड़, पंजाबी बाग नई
दिल्ली क्षेत्रफल 541.47 वर्ग गज एरिया ग्राम--मादीपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 6-6-1981
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 2/एस०—आर-2/10-80/
3794—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० प्रोपर्टी नं० 7, ब्लाक 'जी' है तथा जो शामनगर,
ग्राम ख्याला, भाग-के-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के जोव ऐत अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी श्री मोहिन्द्र सिंह, जी-7
शाम नगर, ग्राम-ख्याला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत बम्बर, पत्नी श्री कनवारजील सिंह बम्बर,
बी-1/126, पश्चिम बिहार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—उक्तमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 7, ब्लाक 'जी' क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, स्थापित
शाम नगर, ग्राम-ख्याला, दिल्ली भाग नं० 4 ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-2—अतः

मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट-10, रोड-68 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरदीत लाल शर्मा सुपुत्र पं० फतेह चन्द, 33/24, पुरानी राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० दविन्द्र सिंह, एस० अवतार सिंह और एस० हरपाल सिंह सुपुत्र एस० अजीत सिंह, ए-7, कालोनी, सराय रोहिला, दिल्ली ।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10, रोड नं० 68, वर्ग 'डी' क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज—स्थापित—पंजाबी बाग, नई दिल्ली, रोहतक रोड, ग्राम—मावीपुर दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० आर-II/10/80-
3828—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जे०-6/88, है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच जो अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

(1) श्रीमती ब्यावरी विधवा पत्नी श्री मलिक शिवदास सी०-2 सी/6 पोस्ट-2, जनकपुरी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मेहरबान सिंह और एस० तेजपाल सिंह सुपुत्र श्री एस० गुरबचन सिंह जे-9/29, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विचक्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्रोपर्टी नं० जे०-6/88, क्षेत्रफल-160 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली स्थापित ग्राम सतार पुर नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर-II/10-
80/3866/—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डीन्वर पुर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
हय को अर्थ नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निर्मातृलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री राज कुमार कयान, 45-सद्वयद अमीर अली
एवम्बु, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार जैन, अरुण कुमार जैन सुपुत्र
श्री ए० के० जैन, 36-ए, फ्रेंड्स कालोनी, ईस्ट,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

क्षेत्र : 5 बिघे और 18 बिघे खसरा नं० 707/2,
6 बिघे और 13 बिघे खसरा नं० 708,
4 बिघे और 10 बिघे खसरा नं० 709,
4 बिघे और 16 बिघे खसरा नं० 705,
4 बिघे और 13 बिघे खसरा नं० 1094/706,
0 बिघे और 4 बिघे खसरा नं० 1095/706,

टोटल : 26 बिघे और 14 बिघे

विमल वशिष्ठ;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०-आर-II/

10-80/3869—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1, रोड नं० 44 है जो पंजाबी बाग नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
प्रस्तुत, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)

(1) श्री संजय कुमार पु० श्री हरी राम निवासी 3231
रंजीत नगर, नई दिल्ली और श्री हरी राम पुत्र श्री
नरसिंह दास पुत्र श्री एच नेचूरल गाइडन के दो
माइनर संस, कैलाश नारायण और श्री शाम सुन्दर
निवासी 3231, रंजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बहारा,
निवासी 2/53-बी नार्थ एवेन्यू रोड पंजाबी बाग,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 बिना बटा हुआ भाग मकान नं० 1, रोड नं० 44 श्रेणी
'डी', पंजाबी बाग, दिल्ली (क्षेत्रफल 342.22 वर्गगज)।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II एस० आर०-II/1080/
3874—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1 रोड नं० 44 श्रेणी क्लास डी है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्राम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री हरी राम निवासी 3231, रंजीत नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बत्तरा निवासी 2/53-बी० नार्थ एवेन्यू० रोड पंजाबी बाग दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 बिना बटा हुआ मकान नं० 1 रोड नं० 44 श्रेणी 'डी' पंजाबी बाग में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 342.22 वर्ग गज है।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 9 जून 1981

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II 10-80/
3870—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 1 रोड़ नं० 44 है जो पंजाबी बाग नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1980।

की पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
13—146GI/81

(1) श्री हरिराम पुत्र श्री नरसिंह दास निवासी 3231
रंजीत नगर नई दिल्ली नेचुनल गार्डेंडियन द्वारा
पुत्र श्री कैलाश नारायण निवासी 3231 रंजीत
नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बत्तार
निवासी 2/53-बी नार्थ एवेन्यू रोड़ पंजाबी बाग
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 शेयर बिना बटा हुआ जिसका नं० 1 रोड़ नं० 44
श्रेणी 'डी' पंजाबी बाग दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 342.22
वर्गगज है।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रकृ. आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II/एस०आर० III

10-80/3873— यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1 रोड़ नं० 44 कलास 'डी' में स्थित है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में स्थित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरी राम पुत्र श्री नरसिंह वास निवासी 3231 रंजीत नगर, नई दिल्ली एच० नेचूरल गार्डियन भाइनर पुत्र श्री शाम सुन्दर पुन्दर निवासी ऊपर दिया हुआ है।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बत्तरा 2/53-बी नार्थ एवेन्यू रोड़ पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विना गया है।

अनुसूची

1/4 भाग बिना बटा हुआ मकान नं० 1 रोड़ नं० 44 श्रेणी 'डी' पंजाबी बाग दिल्ली एरिया गांव शक्रपुर दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 342.29 वर्ग गज है।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भाप्रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 अक्तूबर, 1980 :

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से परबहु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सहायक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

(1) श्री सुसान्तकुमार सैन पुत्र श्रेष्ठ कुमार सैन बहैसियत स्वयं व बहैसि मुख्तार ग्राम माटिल्दा सैन, डान कुमार, श्रीमती नमिता बाशम व अनिता जिरवा निवासी महेन्द्र भवन, पावर हाऊस रोड़, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पतिन जगदीश प्रसाद गुप्ता व पुष्पलता पतिन श्रीम प्रकाश गर्ग निवासी जयपुर रास्ता गोविन्द राजीयान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखती के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जयपुर पावर हाऊस रोड़ सैन कालोनी में एक प्लॉट (मकान) नम्बर 13 दो मंजिला, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2755 दिनांक 27-10-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है ।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून 1981

निदेश सं राज सहा०आ०अजून अतः मुझे, एम० एल० चौहान प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो कोटा में, (और इससे उपायध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 जून, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्थातः--

(1) श्री प्रकाश चन्द आत्मज स्वर्गीय सेठ श्री पुरम चन्द जी ब्रज, निवासी विजय पाड़ा, पुरानी धान मण्डी, कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यप्रकाश जैन आत्मज श्री लक्ष्मी रामजी जैन, निवासी कोटा नं० वार्ड, भीमगंजमंडी, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित कोटा जंक्शन वार्ड भीमगंज मंडी, क्षेत्रफल 6192 वर्ग फुट जो उप पंजीयक कोटा द्वारा क्रम संख्या 1912 दिनांक 25-10-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरीणत है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून 1981

निदेश सं राज सहा० आ० अर्जन अतः मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 159 (5) है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री जितेन्द्र नाथ पुल स्व० शंकर नाथ, निवासी काशी भवन, मिर्जा इस्माईल रोड, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जालंधर मोटर एजेंसी (देहली) लिमिटेड, 6 सहगल कालोनी, कोर्ट लेन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुधृष्टी

जयपुर चौकड़ी हवाली शहर मिर्जा इस्माईल रोड, प्लॉट नं० 159 (5) ब्लॉक नम्बर एच० सी० 6 में खाली भूमि पर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 3029 दिनांक 15-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून, 1981

प्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० है तथा जो जयपुर में, स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनेकसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरता) और पन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में गृहिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में गृहिष्ठा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपक्रमे (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ठाकुर जयसिंह पुत्र ठाकुर रामलाल सिंह चौम हाउस, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स जयपुर आयरन एण्ड स्क्रैप मर्चेन्ट जरिए पार्टनर श्री अब्दुल गफूर पुत्र श्री वजीर खां, निवासी लुहारों का खुरा मकान नं० 3434, जयपुर।

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्लॉट नं० स्थित संसार चन्द रोड, जयपुर जो उप-पेजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3052 दिनांक 17-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय-पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून, 1981

आदेश सं० राज सहा आ० अर्जन-अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है,
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 20-11-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वाचित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री लादूराम निवासी
जाट के कुएं का रास्ता, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम कंवर पत्नी श्री विजय सिंह,
क्लेक्टेड विल्डिंग के पीछे, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयुक्त होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट किशन बाग तहसील व जिला जयपुर में स्थित
है और उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3113 दिनांक
20-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय-पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० राज०/महा आ० अर्जन/975—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान व मकान है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21 अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर गुलाबचन्द पुरोहित पुत्र श्री कल्याण बक्ष
ज द्वारा मुख्तार आम डा० जगदीश नारायण पुरोहित
निवासी अजमगाह।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल लाल पुत्र सूरजमल अग्रवाल, बम्बई
वाला, लाडली जी का बुरा, चौकड़ी रामचन्द्र जी,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक वाणिज्यिक दुकान एवं मकान जो दुकान के ऊपर
स्थित है, साँगनेरी गेट के बाहर, बम्बई मिण्टान भंडार
के बराबर में जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2639 दिनांक 21-10-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17-6-81
मोहर :

प्रत्येक आर्ज. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन 976—यतः मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के-5 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन कर देने की आवश्यकता नहीं किता गया था या किता जाता है, इस धन, छिपाव या सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

14—146GI/81

(1) श्री गुरमीन सिंह, 23 बी, मेठी कालोनी, जयपुर-4 (अन्तरक)

(2) श्री राम किशन जाजू, के-5, फतेहटीबा, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० के-5, फतेहटीबा, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2601 दिनांक 16-10-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जुन/986—यतः मुझे एम०

एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो अजमेर में स्थित है,
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
17 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सयीद यूसूफ अली शाह पुत्र सयीद मीर याकूब
अली शाह, इम्पीरियल रोड, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री शलेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद
अग्रवाल, निवासी अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, रैम्बल रोड, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर
द्वारा क्रम संख्या 4452 दिनांक 17-11-1980 पर पंजीयक
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वेध प्रकाश पुत्र सरदारमल खण्डाका, डी-192, जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अन्ता देवी पत्नी नेम प्रकाश खण्डाका, डी-192 जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/991—यतः मुझे, एम०

एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम व गैरेज है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोदाम एवं गैरेज, कार्मशियल उपयोग के लिए, खण्डाका मैन्सन, ठेलिया सर्किल, एम० आई० रोड़, जयपुर जो उप-मंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2638 दिनांक 21-10-1980 पर पंजीबद्ध विप्रेय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) डा० एस० के० शर्मा पुत्र श्री जगन्नाथ शर्मा, अजमेर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कानमल मूंदड़ा पुत्र मांगी लाल मूंदड़ा, घी मंडी,
नया बाजार, अजमेर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/987—यतः मुझे, एम०

एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो अजमेर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
4 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, रैम्बुल रोड, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर
द्वारा क्रम संख्या 3819 दिनांक 4 अक्टूबर, 1980 पर पंजी-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/990—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सकान है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
21 अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल व ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
जो तथा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की राशति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री मदन प्रकाश खण्डाका पुत्र श्री सरदारमल
खण्डाका, डी-192, जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) शांति देवी पत्नी ओम प्रकाश अग्रवाल, निवासी
डी-192, जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खण्डाका मेन्सन, एम० आई० रोड, ठोलिया सर्किल के पास,
जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2637
दिनांक 21-10-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-6-1981
मोहर :

प्रश्न जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० एल० सी० 516/81-82—यतः, मुझे,

टी० जैड० माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो त्रिचूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति या उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्री सी० बी० सत्यशत ।

(अन्तरक)

(2) सोणी हरिलाल एंड को० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 right over 8.3 cents of land with a building in Sy. No. 1166/4 of Trichur Village.

टी० जैड० माणि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० महादेव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० मम्मत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 16 जून 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—द्वयमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं० एल० सी० 517/81-82—यतः, मुझे, टी० जैड० माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कालीकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालीकट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

1-09 acres of land and factory sheds in Sy. R. S. No. 17 ward 1, Block 1 of Calicut Corporation in Calicut District.

टी० जैड माणि
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० पी० रामनकुट्टी नायर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सेठ्ठंड जोमफ मोणास्टरी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० एल० सी० 518/81-82—यतः, मुझे, टी० जैड माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो ओट्टप्पालम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओट्टप्पालम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 अक्तूबर, 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4 Acres 18 cents of land with two buildings as per Schedule attached to Doc. No. 3113/80 dt. 23-10-1980.

टी० जैड माणि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० एल० सी० 519/81-82—यतः मुझे टी० जैड
मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
259-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोचीन में स्थित
है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीचीन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15 अक्टूबर, 1980।

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

15-146GI/81

(1) श्री अब्दुल रहमान अब्दुला सेठ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्येष्टतन्त्रकारी के पक्ष लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

5-470 cents of land with building in Sy. No. 81/1 of Mathan-
chery Village.

टी० जैड मणि,

सक्षम प्राधिकारी,

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

प्रार्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० सुनील ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० गोपालकृष्ण पिल्लै ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 जून 1981

निर्देश सं० एल० सी० 520/81-82—यतः मुझे, टी०
जैड़ मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोलम में
स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोलम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 3 अक्टूबर, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से गणित नहीं किया गया है :—

क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

28.591 Cents of land in Sy. No. 9614/1 of Quilon Village.

टी० जैड़ मणि,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16

दिनांक : 15-6-1981

मोहर :

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री डी० एन० नरहरिमल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० आर० मोहन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० एल० सी० 521/81-82—यतः मुझे टी०

जैड मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4 अक्टूबर, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा
के लिए और/या.

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

4-950 cents of land with building as per Schedule attached to
Doc. No. 3128/80 dt. 4-10-1980.

टी० जैड मणि,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोचीन-16

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी परीक्षा, दिसम्बर 1981

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1981

सं० का० 7/2/81-प०-I(ब)—राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी के बल-सेना, नौसेना तथा वायु सेना स्तरों में प्रवेश हेतु जुलाई, 1982 में आयोजित होने वाले 68वें संघ के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 27 दिसम्बर, 1981 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (बल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

ध्यान दें:—उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 8 में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किस सेवाओं के लिए बरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छा-नुसार जितनी चाहे उतनी बरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर भली-भांति विचार किया जा सके।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित शारीरिक और व्यक्तिगत परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यचर्या में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर और पाठ्यक्रमों, (ख) प्रकाशनी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा प्राप्ति की संक्षिप्त सूचना से सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट:—परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न ही होंगे। सन्तुष्ट के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनाएँ विवरणिका देख लें।

2. परीक्षा के केन्द्र: अमरावती, अहमदाबाद, एजल, इलाहाबाद, बंगलूर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कर्णगीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटांगगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीनगर और त्रिनेत्रपुर

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितियों किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर भलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय क्षरणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नियम पैरा 11) देखिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबंध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने इस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से प्रबन्ध भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 27 नवम्बर, 1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पाठ्यक्रम की शर्तें:

(क) राष्ट्रियता:

उम्मीदवार या तो—

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या
- (iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती मरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उरुग्वे, उरुग्वे तंजा-निया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलम्बी, जेरे तथा इथियोपिया और विगतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और प्रकाशनी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु सीमाएं, स्त्री या पुरुष और वैवाहिक स्थिति:—केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1964 से पूर्व तथा 1 जुलाई, 1966 के बाद न हुआ हो।

नोट:—जन्म की तारीख केवल वही माध्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं: राज्य शिक्षा बोर्ड या माध्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की हायर सेकेंडरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने अपनी हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सं० नं० बोर्ड के साक्षात्कार में प्रवृत्ता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 21 जून, 1982 तक अपने हायर सेकेंडरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप में सेना मुख्यालय रिक्रूटिंग 8 (एस० पी०) (ए०), वेस्ट ब्लॉक III, द्वार० के० पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा कभी तक प्रमाण-पत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिए गए मूल प्रमाण-पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

प्रणाली की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्त कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहरता हो।

नोट 1 :—वे उम्मीदवार, जिन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अपनी ग्रहता प्राप्त करनी है और जिसको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में, विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2 :—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क :—रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए रु० 7.00)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकवम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट :—(1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवेशन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवेशन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) बल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान-कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और बलसेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसरों, भूतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देते हैं; अर्थात् :—

(i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात)/सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और

(ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अंग्रेजित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी :—मिलिटरी स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अंग्रेजित आवेदन-पत्रों की संवीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जाएगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त नोटिस के पैरा 5(2) के अंतर्गत शुल्क से छूट के हकदार हैं। किन्तु मिलिटरी स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल के विद्यार्थियों के आवेदन-पत्र आयोग को अंग्रेजित करने से पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों द्वारा कुछ करने या न करने से हुई गड़बड़ों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा दिसम्बर, 1981 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ जगे हुए हैं। आवेदन-पत्र

भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपये मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा;
- (ii) दो रुपये तक देकर आयोग के कार्यालय के काउण्टर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब एरिया मुख्यालय, वायु सैनिक चयन केंद्रों एन० सी० सी० एकक तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहाँ से निःशुल्क।

आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्याही या बालपेन से भरें। सभी प्रविष्टियाँ शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या बिंदुओं में नहीं। घघूरा या गलत जरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियाँ अपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निर्बचन में होने वाले भ्रम तथा संश्लेषता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या उसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने विद्योक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचे तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवागत हैं, उन्हें अपने आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग आफिसर को प्रस्तुत करने चाहिए जो पृष्ठांकन (आवेदन-पत्र के भाग 'ख' के अनुसार) को पूरा करके आयोग को अंग्रेजित करेंगे।

नोट :—भारतीय नौसेना के नाविक (बाल या करियर प्रशिक्षु सहित) पहली तरजीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर सभी विचार होना जब वे कमान अफसर द्वारा विधिबद्ध अनुमति कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कांसेज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से ज्ञात), वेहराडून के कैडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 7 सितम्बर, 1981 (7 सितम्बर, 1981 से पहले किसी तारीख से अथवा, मेमालय, घरणा-जल प्रवेश, मिर्जोरस, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, प्रबन्धमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 21 सितम्बर, 1981) तक या उससे पहले डाक द्वारा प्रबन्ध विधवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर भाकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंजमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और बिदेषों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोजन यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 7 सितम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंजमान और निकोबार द्वीप-समूह या लक्षद्वीप या बिदेषों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप से निविष्ट करना चाहिए अथवा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ म मिले।

टिप्पणी (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं० को० से० प्रा० के काउन्टर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोजन के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोजन उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रवेश और आवेदन के साथ प्रस्तुत हों:—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:—

- (i) ₹ 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर वेय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर वेय भारतीय स्टेट बैंक के किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिए।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें, जिससे वह "0.51 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दे।

- (ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोजन जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित मेट्रिकुलेंटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथपत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केषल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाकिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रमाणित वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोजन उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख की स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुसूच पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3: उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोजन द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति:—

उम्मीदवार को इस भाग्य के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा 3(ग) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार अर्जित कर लेने की संभावना है कि पैरा 3(ग) में विहित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की बजह बताानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अर्पणित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोजन इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नहीं होगा।

- (iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) बिधिवत भरा हुआ।

- (v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 8 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर बिधिवत अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (vi) लगभग 17.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हुआ हो।

- (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा:—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आज और पर रहते हों, उसे जिले के किसी सख्त प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

(i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) बस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

(i) वंशकारण्य परियोजना के ट्रिबिस्ट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ पर वह, फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) सब-डिविजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिविजन की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन), कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ पर वह रह रहा हो।

टिप्पणी—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।

9. शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को भरा किया गया

शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी संभव नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार मई, 1981 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिये उसका नाम अनुसूचित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि विसम्बर, 1981 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी

रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी, 1982 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन पत्र की पावती :—आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक

आवेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को रोल नं. जारी कर दिया गया है अपने आप यह धर्म नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कक्षाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/जाली प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दोष या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई भ्रष्टाचार या भ्रसंगति हो तो इस भ्रसंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कक्षाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका :—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या

(ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

(iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या

(v) भ्रष्टाचार या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या

(vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या

(vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या

(viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर भ्रसंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अप्रामाण्य भाषा की हों; या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या

(XI) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाबार की और प्रयुक्त होना या आयोग को उत्तेजित करना।

यह अपने को पञ्च-प्रतियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरुद्ध है—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा प्रयोग्य ठहराया जा सकता है।

प्रश्ना

(ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये;

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निश्चित अवधि के लिए प्रयोजित किया जा सकता है;

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित

परीक्षा के परिणामों के आधार पर से० नं० बों के साक्षात्कार में ग्रहण प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाद अपनी आयु तथा वैयक्तिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्र देना आवश्यक, आर० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०), वेस्ट ब्लाक III, आर० के० पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे।

15. आवेदन के संबंध में पत्र-व्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा गया)
- (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें :—(i) जिन पत्रों में ऊपर का ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

(ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमिक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिये जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुसूचित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिजर्विंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1 रामकृष्णपुरम-

पुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में सूचना :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुसूचित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी सूचनाओं और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिजर्विंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1 रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए, भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से संबंध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिजर्विंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को देनी चाहिए अर्थात् सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणामों की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश :—संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निश्चित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तिगत परीक्षणों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हजरि होंगे जहां बल सेना/नीसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एंट्रीप्थ परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निरीक्षण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हजरि होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षति पूर्ति या सहायता पाने के वे हक्कार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की सापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, बल सेना/नी सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट एंट्रीप्थ परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उसके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे। इन शर्तों पर ग्रहण प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम रूप में दो अलग-अलग सूचियों में—एक बल सेना तथा नी सेना के लिये

और दूसरी वायु सेना के लिये—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के सभी धर्मों के लिये ग्रहण प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के चल सेना तथा नौसेना के विधियों में प्रवेश के लिये अंतिम चयन चल सेना तथा नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायुसेना विंग में प्रवेश के लिये अंतिम चयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके शरीरता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से चुन लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

ध्यान दें:—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एंटीथ्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बाव में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एंटीथ्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विंग या जनरल ह्यूटीज (पाइलट) ब्रांच या नेवल एयर ए० बार० एम० में प्रवेश के लिये आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० अकादमी कोर्स में पाइलट एंटीथ्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें ग्रहण प्राप्त करने की इच्छा मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिये ही अपना आवेदन करना चाहिए।

प्रथम-प्रथम उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जायें, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिये सभी तरह से उपयुक्त है।

19. **प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनर्हताएं:—**जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिये गये थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्त कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

20. **राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबंध:—**उम्मीदवारों को इस बात का बचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाव शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जाएगा। चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. **बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना:—**रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने 'सेवा-चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन' (ए स्टडी आफ इंटेलिजेंस टेस्ट कोर्स आफ कैंडिडेट्स एट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वरूप से परिचित हो जायें।

उक्त पुस्तिका समुच्चय प्रकाशन है तथा प्रकाशन नियंत्रक सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहां से सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता है। यह पुस्तिका केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिबोनी सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 पर प्रकाशन शाखा के बिक्री काउन्टर और (ii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो 8 के० एस० राय० रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती है।

विनय भा, उप सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणित—प्रश्न पत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र I (विज्ञान)	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र II (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक मामले)	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका देखें।

3. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

6. केवल सही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जायेंगे।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहाबरेदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहाबरे तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किये जायेंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश या सार लेखन के लिये भी गद्यांश सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न पत्र-I

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—चतुर्धन संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रिया—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल, बर्णमाला भिन्न।

एकिक भिन्न—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत—विभाजन की कृपण विधि, प्रभाज्य और भाज्य संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण प्रपञ्च्य और गुणन खंड । गुणन खंडन प्रमेय । महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्तक, युक्लिड का कलन विधि ।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग ।

बीज गणित

आधारभूत प्रक्रियाएँ : साधारण गुणन खण्ड । शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्तक । द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बंध (केपल बास्तिविक मूल विचार किया जाए) । दो घात गणितों में अणु समीकरण—विश्लेषण और शक नवधी हन । प्रायोगिक प्रश्न जिनमें दो चरों में दो युगपत् रेखिक समीकरण घनते हैं या एक चर में द्विघात समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय यंकन पद्धति, परिमेय अंशक तथा मप्रतिबन्ध नत्समक आनांक नियम ।

त्रिकोणमिति :

ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times जब $0^\circ < \angle < 90^\circ$ ।
ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times का मान क्योंकि $\angle = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$, और 90° , सरल त्रिकोणमितीय तन्त्रमक ।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग ।

अंशाद्यों और दूरियों के सरल कोण ।

प्रश्न पत्र-II

व्यामिति

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति । निम्नलिखित पर प्रमेय :—

- किसी बिन्दु पर कोणों के गुण-धर्म,
- समांतर रेखाएँ,
- किसी त्रिभुज की भुजाएँ और कोण,
- त्रिभुजों की सर्वांगसमता ।
- समरूप त्रिभुज,
- माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन,
- समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म,
- वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं ।
- स्थानिक संयोजन ।

विस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल । उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं । (क्षेत्रवाही) घनाकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब पृष्ठीय संकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्र-फल तथा आयतन ।

सांख्यिकी

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन । आलेखी निरूपण बारम्बारता, बहुभुज, आयत चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि ।

अपरिच्छिन्न और समूहित आंकड़ों का परिकलन माध्य ।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे ।

प्रश्न-पत्र (i)—इसमें, भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होगा; और

प्रश्न-पत्र (ii)—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक सामने होंगे ।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा । उल्लिखित विषयों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है । उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए ।

प्रश्न-पत्र I

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र I में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा—

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियाँ, संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण । आर्कमिडोज का नियम, दाब, वायुदाब, मापी ।

बिज की गति । वेग और त्वरण । न्यूटन के गति नियम । बल और संवेगों । तब समान्तर चतुर्भुज । पिंड का स्थायित्व और संतुलन । गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान ।

ऊष्मा का प्रभाव । तापमान का नाप और ऊष्मा । स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊष्मा । ऊष्मा प्रणिगमन विधियाँ ।

ध्वनि तरंगें और उनके गुणधर्म । सरल बाद्य यंत्र ।

प्रकाश का बहुरेखीय संवर्णन । परावर्तन और अपवर्तन गोलीय दर्पण और लेन्सेस, मानव नेत्र ।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक । चुम्बक के गुणधर्म । पृथ्वी चुम्बक के रूप में ।

रवैतिक तथा धारा विद्युत् । चालक तथा अचालक । ओम नियम-I, साधारण विद्युत् परिपथ । धारा त तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव । विद्युत् शक्ति के माप । प्रायमिक और गौण सेल । एक्स-रे के उपयोग ।

निम्नलिखित के कार्य मजानन के सामान्य सिद्धांत ।

सरल लोलक । सरल घूर्णन, माइफल, उत्प्लोक, गुब्बारा, पम्प । हाइड्रोमीटर, पेजर कुकर, जर्मन फ्लाम्क, यामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, रेडिस्कोप, टेलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक विस्मृक, तड़ित चालक सुरक्षा योज ।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्त्व । मिश्रण तथा योगिक । प्रतीन मूल और सरल रासायनिक समीकरण । रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म ।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाई-ऑक्साइड की रचना और गुण धर्म । आक्सीकरण और अपचयन ।

धम्ल, आरक और लवण ।

कार्बन—भिन्न रूप ।

उर्बरक—प्राकृतिक और कृत्रिम ।

तापन, कांच, प्लास्टो, कागज, पीपेट, पेंट, विषमलाई और गत पाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिये प्रयुक्त सामग्री ।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभास संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान ।

(ग) जड़ और चेतन म अन्तर ।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव और ऊतकों का आधार ।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन ।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान ।

सामान्य महामारियाँ, उनके कारण तथा रोकने के उपाय ।

खाद्य—मनुष्य के लिये ऊर्जा का स्रोत । खाद्य का संयोजन ।

संतुलित आहार ।

मौर परिवार : उल्का और अंशकेतु । ग्रहण ।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियों ।

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिये क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न पत्र II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले)

सामान्य ज्ञान प्रश्न पत्र में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा:—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, महत्वाकी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जागरण। प्रत्यक्ष और खोज। अमेरिका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, रूसी क्रांति, समाज पर विज्ञान और औद्योगिकी का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी भाकृति और आकार, घूर्णन और रेखांश। समय। संकल्पना। अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियाँ और उनके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण।

अपक्षय-रासायनिक और भौतिक। भूशाल तथा ज्वालामुखी।

रक्षासगर धारण और स्थिर भूत।

वायुमण्डल और इसका संघटन। तापमान और वायुमण्डलीय दाब, भूमण्डलीय पवन, जलवायु और प्रतिष्ठकवात आर्द्रता। वर्षण और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री, सू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य भवे।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्य-कलापों और खेल कूद से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिये क्रमशः 10 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षा

उम्मीदवार की दुनियादी बुद्धि की जाँच करने के लिये साक्षात्कार के प्रतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके धूप परीक्षण भी किये जायेंगे, जैसे धूप परीक्षा, धूप योजना, बहिरंग धूप कार्यकलाप तथा उन्हें निविष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जाँच के लिये हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण आन्तर में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जाँच के लिये हैं अपितु इनमें उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट-II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी —उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाव में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वी-कृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आबेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जाँच करा लें।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुसूचित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षण-शाला में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्वास्थ्य रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीद-वारों के लिए नीचे सार रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।

(क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/घातना से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमशोर शारीरिक गठन/वैहिक बोध या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० (नीसेना के लिए 157 सें० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें० मी०) का हो। गौरवा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रवेशों, गढ़वाल तथा कुमायूँ के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए गए जाते हैं:—

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्रामों में वजन		
	15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17-18 वर्ष
152	.	41.0	42.5
155	.	42.0	43.5
157	.	43.5	45.0
160	.	45.0	46.0
162	.	46.5	48.0
165	.	48.0	50.0
167	.	49.0	51.0
170	.	51.0	52.5
173	.	52.5	54.5
175	.	54.5	56.0
178	.	56.0	58.0
180	.	58.5	60.0
183	.	61.0	62.5

उपयुक्त शारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत कम-वयावा (नौसेना के लिए 6 कि० ग्रा० कम-वयावा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा। किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर वयस्य स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1—ऐसे मामलों में जहाँ चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कब में 2.5 सें० मी० की छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2—वायुसेना में पाइलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई, जंघा की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी—

	न्यूनतम	अधिकतम
टांग की लम्बाई	99.00	120 सें० मी०
जंघा की लम्बाई	64.00	81.50 सें० मी०
बैठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें० मी०

(ब) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा तसल लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह कीटा लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने नूपक से लगा रहे और पीठ का ऊपरी भाग पीछे स्क्व फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (ओवर एंगल) को छूने रहना चाहिए। छाती का एकसरे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।

(क) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए कहीं रीढ़ की हड्डी का विकास ठीक न हुआ हो इसके लिए मेव का एकसरे किया जाएगा। ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

कहीं निम्नलिखित रोग न हो इसके लिए वायु सेना के उम्मीदवारों के मेडवण्ड का एकसरे करना जरूरी है।

- काच की पद्धति द्वारा 7 से अधिक का स्कालियोसिस।
- एस० मी०-1 को छोड़कर स्पाइनमा बाइफिडा।
- एस० मी०-5 का एक पाथर्न का सेक्वाइलेशम।
- स्वेरमैव रोग : स्वेरमैव मोब्स स्पॉन्डिलोसिस या स्पॉन्डिलोसिस बेसिस।

(ग) उम्मीदवार मानसिक विकृति या बीरे पड़ने का पिछला रोगी नहीं होना चाहिए।

(घ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। कर्ण-मासिका-कंठ की पिछली या अग्रकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

वायुसेना के लिए अभ्यतामितिक परीक्षण किए जाएंगे। 250 एच० जैड, 400 एच० जैड के बीच की प्रावतियों में अभ्यतामितिक कमी +10 बेसिबल से अधिक नहीं हो।

(ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई क्रियारमक या प्राणिक रोग होना नहीं चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

(झ) उदरपेक्षियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग की कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ञ) यदि किसी उम्मीदवार को हमिया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हमिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जखम भी पूरी तरह ठीक हो चुका हो।

(ट) हाइड्रोसील, बेरिकोसील या पाइलस का रोग नहीं होना चाहिए।

(ठ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार तस्वीकृत हो जायेगा।

(ड) अशक्तता लाने या प्राकृति बिगाड़ने वाले धर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया जाएगा।

(ड) उम्मीदवार को दूर दृष्टि धाट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौसेना तथा वायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 मी० तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 (एस्टिमेटेडिजम सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आन्तरिक परीक्षा भीपथलमोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी० पी०-3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौसेना के उम्मीदवारों के लिए राजि दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस आशय का प्रमाण-पत्र देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रतीधी आने का रोग नहीं हुआ है।

वायु सेना के लिए निम्नलिखित मानदण्ड हैं :—

दूर की दृष्टि :	6/6, 6/8 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि :	प्रत्येक आंख की एन-5
वर्ण दृष्टि :	सी० पी०-1 (एम०टी०एल०)
मनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया	2.00 डी से अधिक न हो।
नेत्र पेथी सन्तुलन	

मेडवोस रोड टेस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो :—

(i) 6 मीटर पर	एक्सोफोरिया 6 प्रिजम डायोप्ट्रेस
	एसोफोरिया 6 प्रिजम डायोप्ट्रेस
	हाइपरफोरिया 1 प्रिजम डायोप्ट्रेस
(ii) 33 सेंटीमीटर पर	एक्सोफोरिया 16 प्रिजम डायोप्ट्रेस
	एसोफोरिया 6 प्रिजम डायोप्ट्रेस
	हाइपरफोरिया 1 प्रिजम डायोप्ट्रेस
	मायोपिया कुछ नहीं
	ऐस्टिज्मेटिस +0.70 डी०

डिनेत्रीदृष्टि अच्छी डिनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है (यूजुन तथा स्टर्बोथिस तथा साथ में अच्छा प्रायाम व गहनता)।

(ण) iii उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुधरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं। उम्मीदवार को तीव्र पायोरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(त) वायुसेना के उम्मीदवारों के लिए एटिन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में होने जरूरी हैं।

परिच्छेद III

(सेवा प्रायिक संक्षिप्त विवरण)

1. अकावमी में भरती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे :—

(क) इस आशय का प्रमाण पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई घोट लग जाए या ऊपर निविष्ट किसी कारण से या अन्यथा प्राणव्यय किसी सत्रिकल अपरेसन या संवेदनाहरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बच उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुकामजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस धारा का अर्थ यह कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निर्धारित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी बोटिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह धारा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए २० 40.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के शिक्षण के लिए ४० 45.00 और यश सेना/नीसेना/वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए ४० 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय २० 500.00 या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रत्यक्ष सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षक के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुमति सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, बड़कवासला पुणे (411023) के कमांडेंट को भेजित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को भाने पर, कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रति मास 40.00 रु० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	२०
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मरवों के लिए	200.00
योग	650.00
	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

(क) 40.00 रु० प्रति माह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	२०
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मरवों के लिए लगभग	200.00
	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परशु राम भाउ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता पिता की आय सभी साधनों से २० 350.00 तथा २० 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी :—

(2) कर्नल कैंडिल बेंक मैमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति 380.00 रु० प्रति वर्ष की है और उस मराठा कैडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। वह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कुंभर सिंह मैमोरियल छात्रवृत्ति :—दो छात्रवृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु० प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी बड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी वेहरून तथा वायु सेना पलायंग कालिज तथा नीसेना अकादमी कोचीन में जहाँ कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जबकि कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु० प्रतिमास की रहेगी। तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिए बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 रु० प्रतिमास की तथा 400.00 रुपए की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिए 480 रु० की एक योग्यता छात्रवृत्ति २० २० अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिए केरल राज्य सरकार द्वारा उस कैडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो २० २० अकादमी हेतु अभिल भारतीय सं० लो० से० प्रा० प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैडेट के पिता/संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंडाकिनी पुरस्कार :—वह 500.00 रुपए का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। आवेदन पत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :—तीन छात्रवृत्तियां—एक यश सेना, एक नीसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थाई निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता पिता या अभिभावक की आय २० 5,000 प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता पिता या अभिभावकों की आय की ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थाई निवासी हैं :—

(क) वर्ग 1 :—ये छात्रवृत्तियां—(यश सेना, नीसेना तथा वायु सेना के लिए एक एक) 380.00 रुपए प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रुपए तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति। यह उन कैडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपए प्रतिवर्ष एक मुक्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पायलट प्रकसर गुरमीत सिंह सेदी मैमोरियल छात्रवृत्ति :- ४० 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के चौथे सत्र के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। पांचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बन्द कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेंड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहली से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :- हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रति मास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति :- तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में प्रति कोर्स 30 ४० ५० ६० का एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 ४० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/सरकार की मासिक आय 500 ४० से अधिक न हो। पांच कैडेट भत्ता, आर्थिक, कमांडेंट, राष्ट्रीय प्रकाशनी को बड़ा पहुँचाने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्ति :- कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियां—9 जनवरी से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए—कर्नाटक राज्य के उन कैडेटों को दी हैं जो सैनिक स्कूल बीजापुर या राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालिज, बेह्रावून में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राशि 480.00 रुपये प्रतिवर्ष है।

४० 480.00 प्रतिवर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तियां (दो प्रति सत्र) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो सैनिक स्कूल बीजापुर/राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालिज, बेह्रावून के अलावा अन्य स्थान पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में आते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय प्रकाशनी, बड़कवासला पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं।

5. पुने हुए उम्मीदवारों के प्रकाशनी में आने के बाद सरकार उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।

- (क) घरेलू
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विषय-विद्यालय या हायर सैकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सैकेण्डरी परीक्षा के स्तर से कंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदवार की प्रकाशनी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए तैयारी न ही जाए।

प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए पुने हुए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को अजाहर लाल नेहरू विश्व-विद्यालय, दिल्ली द्वारा बी० ए०-सी०/बी० ए० डिग्री प्रदान की जाएगी।

7. राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में पाठ होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना प्रकाशनी, बेह्रावून में, नौसेना कैडेट कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट ई० एफ० एस० विहार जायेंगे।

8. भारतीय सेना प्रकाशनी में सेना कैडेटों को 'जेन्टलमैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों की उनके शेप (Shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सैकेण्ड लेफ्टिनेन्ट के पद पर स्थाई कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कार्यपालक इजॉनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए भुता जाता है। उन्हें छ महीने के लिए कैडेट प्रशिक्षण-पोत पर गम्भीर प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिजिंगमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। संवत् शाखा में 6 महीने तक भागे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का बड़े वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अन्तिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है उसके बाद छ महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष का अवधि के लिए परिशिक्षा पर स्थाई रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहृत कर दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

11 थल सेना अधिकारी

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान
	रुपए
सैफिण्ड लेफ्टिनेन्ट	760-790
लैफ्टिनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनेन्ट कर्नेल (नयन द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेन्ट कर्नेल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नेल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2
	2750
लैफ्टिनेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लैफ्टिनेन्ट कर्नेल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- ४०, 2400/- ४०, 4500-४० अथवा 6000/-४० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (बर्ग 'ख') 70/- ४० की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

(iii) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को हम समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :-

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिए जाते हैं।

(ख) ४० 50/- प्रतिमास की दर से फिट अनुक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करते पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तबनुकुरी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता : जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 70/- ४० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(क) सज्जा भत्ता प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400/- है। प्रथम कमीशन की तारीख से ए० 1200/- की दर से प्रत्येक साल वर्ष के बाद एक नए सज्जे के बाने का भुगतान किया जा सकता है।

(iv) सैमाली

यस सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(क) पदोन्नति

(क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

(i) समय वेतनमान से

	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर से लेफ्टिनेंट कर्नल यदि बचन द्वारा

पदोन्नति न हुई हो

(ii) बचन द्वारा

	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफ्टिनेंट कर्नल	18 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर प्रकृति उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तिता उपलब्ध हों :—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेंट कर्नल	6 1/2 वर्ष
कर्नल	8 1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

12. नौसेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौसेना विमान प्रीन पमबुम्बी
	मासिक रु०	मासिक रु०
मिडशिपमैन	560	560
कार्यकारी सबलेफ्टिनेंट	750	825
सब लेफ्टिनेंट	830-870	910-950
लेफ्टिनेंट	1100-1450	1200-1550
लेफ्टिनेंट कमांडर	1450-1800	1450-1800
कमांडर	1750-1950	1750-1950
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कमांडर का बढ़ा वेतन मिलता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में अपनी बरिष्ठता के अनुसार हकदार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000/- प्रतिमास	

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमांडर और उनके नीचे के रैंक के अफसर को अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० या 8000/- रु० के एकसूत्र अनुदान के हकदार हैं।

(ii) भत्ते

नौसेना विमान अफसर उड़ान भत्ता के लिये उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुश्रुती रैंकों के लिए लागू हैं। नौ सेना अफसर समकक्ष रैंक में नौसेना अफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिये भी हकदार हैं। इसके प्रतिरूप उन्हें हाई लाईंगमनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी बेतन और गोता बेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नति

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति देने के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा	
सब लेफ्टिनेंट	1 वर्ष
लेफ्टिनेंट	3 वर्ष (बरिष्ठता लाभ/प्रवृत्ति के अधीन)
लेफ्टिनेंट कमांडर	लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की बरिष्ठता।
कमांडर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि बचन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

बचन द्वारा

कमांडर कार्यपालक शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की बरिष्ठता।
कमांडर इंजीनियरी शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की बरिष्ठता।
कमांडर विद्युत शाखा	लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की बरिष्ठता।
कैप्टन	कमांडर के रूप में 4 वर्ष की बरिष्ठता।
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफ्टिनेंट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी कारण से को लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की बरिष्ठता होनी चाहिए, नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13 वायु सेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान रुपये
वाइलेंट अफसर	825-845
कमांडिंग अफसर	910-1030
कमांडिंग-लेफ्टिनेंट	1300-1550
कमांडिंग लीडर	1650-1800
ब्रिग कमांडर (बचन)	1750-1950
ब्रिग कमांडर (समय वेतनमान)	1900 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्शल	3000
एयर मार्शल (बी० सी० ए० एस० प्रौर ए० प्रो० एम० सी०-इन-सी०)	3250
एयर चोक मार्शल (सी० ए० एस०)	4000

(ii) भत्ते

उद्दान भत्ता—उद्दान शाखा (पायलट और नौवीं ग्रेड) शाखाओं के अधिकतर निम्नलिखित दर पर उद्दान भत्ता लेने के पात्र हैं—

	प्रतिमान
पायलट अधिकतर से लेकर	४०
विंग कमांडर तक	375
ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडर	133 33
एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	100

(iii) योग्यता वेतन/ग्रुपवान — निम्नलिखित दरों पर उन उद्दान शाखा

अधिकारियों को प्राप्त जिनके पास निर्धारित योग्यताएँ हैं—	
योग्यता वेतन	४० 100/- प्र० मा० या ४० 70/- प्र० मा०
	४० ४०
योग्यता ग्रुपवान	6000/- ४० 4500/- 2400/- या 1600/-

(vi) पदोन्नतियाँ

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं—

समय वेतनमान द्वारा	
क्लाइंग अधिकतर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
क्लाइंग सैप्टिनेट	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाड्रन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	वधि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन-प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

चयन द्वारा

विंग कमांडर	16 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी
ग्रुप कैप्टन	22 वर्ष —बड़ी—
एयर कमांडर	24 वर्ष —बड़ी—
एयर वाइस मार्शल	26 वर्ष —बड़ी—
एयर मार्शल	28 वर्ष —बड़ी—

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

अधिकारियों की कार्यकारी पदोन्नति के लिये अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है—

क्लाइंग सैप्टिनेट	2 वर्ष
स्क्वाड्रन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्क्वाड्रन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर कमांडर	11½ वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर मार्शल	23 वर्ष

*अर्द्धित अवधियों को शामिल करके

14. सेवा निवृत्ति लाभ

वेतमान, उपदान और प्रेच्युटी पेन्शनी अवधि समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि श्री	जो गांव/कस्बा*
सुपुत्र श्री	जिला/मंडल*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र	के निवासी हैं
जाति/जन* जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—	
संविधान (अनुसूचित जातियाँ) प्रादेश, 1950*	
संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) प्रादेश, 1950*	
संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951*	
संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951*	

[अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (प्रारोचन) प्रादेश, 1950, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ* प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1956*

संविधान (अर्धमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश, 1959 अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित*

संविधान (बावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1962*

संविधान (बावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) उत्तर प्रदेश प्रादेश, 1967*

संविधान (गोदा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1968*

संविधान (गोदा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश, 1970*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति प्रादेश, 1978*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति प्रादेश, 1978*

2. श्री और/या* उनका

परिवार आमतौर से गांव/कस्बा* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहता है।

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

हस्ताक्षर

**वचनमा

((कार्यालय की सील के साथ))

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहाँ "ग्राम तौर से रहता है" का अर्थ बड़ी होगा जो 'रिजि-जेंटेशन ऑफ वि पिपुल ऐक्ट, 1950' की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्टार्पेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट /† सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/नाल्लूक मैजिस्ट्रेट/एकमीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

†प्रथम श्रेणी के स्टार्पेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्राहबे का नहीं।

- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ग्राहबा तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार धाम तौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफसर (लघादीप)।

परिशिष्ट V

उम्मीदवारों को सूचनाएं विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

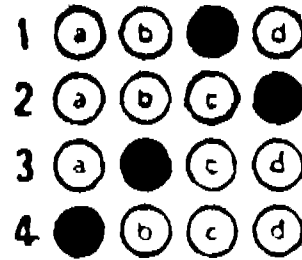
प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (ध्यान दें दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d चिह्न वाले बुला-कार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अधर वाले बुल को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर पत्रक) 17—146GI/81

के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के बुल को काला बनाने के लिए स्पष्टी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल झण्ठी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
2. गलत निशान को बचाने के लिए उसे पूरा मिटा कर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।
3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या वह बराब हो जाए।

ख. कुछ महत्वपूर्ण विनियम:

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा। आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजे दिए जाएंगे।
6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्पष्टी वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हाई बोर्ड या काई बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

ख. विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अथवा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

ग. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं वे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अवश्यत कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के एक समाप्त होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा प्रकृत सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए रंक नहीं काटे जाएंगे।

घ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठ रहें जब तक निरीक्षक आप के पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नों (प्रश्न)

(नोट :- *सही/सबोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है।)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊँचाई पर पर्वतारोहियों के भाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त आब होता है ?

- रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।
- रक्त वाहिकाओं की अत्यल्प तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब के अनुरूप घटता-बढ़ता है।

2. कृषि

भरहर में फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- बुद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
- दूरदूर पीछे लगाना
- सही ऋतु में पीछे लगाना
- थोड़े थोड़े फासले पर पीछे लगाना।

3. रसायन विज्ञान

H_3VO_4 का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- VO_3
- VO_4
- V_2O_4
- V_2O_5

4. धर्मशास्त्र

धर्म का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है।

- सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बराबर हों।
- मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

5. वैद्युत इंजीनियरी

एक समक्ष रेखा को आपेक्षिक परावैद्युतांक 9 के परावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- $3c$
- C
- $C/3$
- $C/9$

6. भूविज्ञान

बैसाल्ट में प्लेजियोक्लेस क्या होता है।

- मालिगीनलज
- सेनोक्रोराइट
- एस्बाइट
- एनाथार्ड

7. गणित

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$ समीकरण

को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- $y = ax$
- $y = ax^2$
- $y = ae^x + be^{-x}$
- $y = ae^x - a$

8. भौतिकी

एक आपसी ऊष्मा इंजन $400^\circ K$ और $300^\circ K$ तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- $3/4$
- $(4-3)/4$
- $4/(3+4)$
- $3/(3+4)$

9. सांख्यिकी

यदि द्विपक्ष विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- 42
- 3
- 00
- 5

10. भूगोल

बर्मा के वक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- यहाँ पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
- यहाँ श्रेष्ठ वन संपदा है।
- वेग के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडंबर से पूर्ण धर्म था।
- (c) ब्राह्मणवाद के प्रभुत्व के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न वशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

12. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीक्षरवादी दर्शन समूह कौन-सा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) श्रद्धांत, वेदान्त, सांख्य, चार्वाक, योग
- (d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक,

13. (राजनीति विज्ञान)

“वृत्तिगत प्रतिनिधित्व” का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।

(b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।

(c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।

(d) अमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में भ्रष्टि।
- (b) अन्तर्निहित प्रवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की देन निम्न में से कौन-सी है ?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) छुपाछूत कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गों के लोगों को भ्रूषामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी —उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नों (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

सब लोक सेवा आयोग

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा विसम्बर, 1981

मार्ग दर्शक संकेत

(आवेदन पत्र भरने के लिए)

क. जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क नहीं होगा, उन्हें एकवचन अस्वीकार कर दिया जाएगा और किसी भी परिस्थिति में इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी भी अप्पावेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ख. आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

ग. आवेदन पत्र भरने से पहले नियमावली तथा उम्मीदवारों को दिए गए अनुदेश पढ़ लें। कोई भी कालम खाली न छोड़ा जाए। आपके मामले में यदि कोई कालम लागू नहीं होता तो "लागू नहीं" अथवा "नहीं" लिख दें। भ्रष्टरे या गलत ढर्रे हुए आवेदन-पत्र अस्वीकार किए जा सकते हैं।

घ. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र स्याही या बाल पेन से अपने हस्ताक्षर ही भरने चाहिए। यदि कोई संशोधन हो, तो वह पंजीय हो तथा उम्मीदवार द्वारा अभिप्रमाणित हो।

ङ. उम्मीदवार आवेदन प्रपत्रों को भरते समय तथा कोड लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करें। (जैसे 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि)। केवल इसी प्रकार लिखे गए कोड मन्त्रों पर ध्यान दिया जाएगा। अन्य विवरण पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि आवेदन-पत्र भरते समय निम्नलिखित निर्देशों को सावधानी पूर्वक पालन करें क्योंकि इन्हें संगणक विधि द्वारा साधित किया जाता है और अधिकतम सूचना कोड फार्म में देनी होती है। सही कोड देने में अत्यंत सावधान रहना चाहिए। जब कभी एक या दो वाक्य, जैसे □ उत्तर के लिए दिए गये हों, तो सावधानी रखनी चाहिए कि एक से अधिक अंक एक वाक्य में अंकित न किये जाएँ। अगर कोड को दो या अधिक अंकों में लिखा जाना है तो उतने ही वाक्य दिए जाते हैं। जब कभी किसी कोड में 01 अथवा 02 जैसा अंकन हो, अर्थात् बायीं ओर 0 हो, सावधानी पूर्वक 0 के साथ कोड का अंकन करना चाहिए। जैसा कि नीचे दिखाया गया है, बिना 0 के कोड का अंकन नहीं करना चाहिए।

1	0	1
---	---	---

गलत

सही

आवेदन-पत्र में विभिन्न कालमों के लिए दिए जाने वाले कोड का उल्लेख नीचे किया गया है।

कालम 2—परीक्षा-केन्द्र

कोड	परीक्षा केन्द्र
01	मद्रास/बाय
02	इलाहाबाद
03	बंगलोर
04	मोपाल
05	बम्बई
06	कलकत्ता
07	कटक
08	दिल्ली
09	विसपुर (गोहाटी)

कोड	परीक्षा केन्द्र
10	द्वाराबाय
11	जयपुर
12	मद्रास
13	भागपुर
14	पटियाला
15	पटना
16	शिलांग
18	श्रीनगर
19	विवेन्द्रम
24	कोचीन
26	लखनऊ
34	जम्मू
35	बंबीगढ़
36	पणजी (गोवा)
37	पोटे ब्लैयर
43	कोहिमा
44	इम्फाल
45	अगरतला
46	ओरहाड
47	ऐजल
48	ईटानगर

कालम 6

कोड	घर
1	हिन्दू
2	इस्लाम
3	ईसाई
4	बुद्ध
5	सिक्ख
6	जैन
7	अन्य

कालम 10—शुल्क से छूट की धारा (देखिए नोटिस का पैरा 8)

कोड	वर्ण
1	भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक निवासी व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवासन कर भारत आया हो।
2	1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति।
3	अक्टूबर, 1964 के भारत-चीन का करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद चीन से मूल रूप के वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति।
4	उन सभी रक्षा कार्मिकों के सम्बन्ध जो कि नोटिस के पैरा 5 (2) की शर्तों को पूरा करते हैं।

खण्ड 11 (क) नागरिकता-स्थिति [देखिए नोटिस का पैरा 3 (क)]

कोड	विवरण
1	भारत का नागरिक
2	नेपाल की प्रजा
3	भूटान की प्रजा
4	1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में स्थायी रूप से रहने के द्वारा से आया हुआ निवृत्ती शरणार्थी हो।
5	भारत में स्थायी निवास के द्वारा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जाम्बिया, मलावी, जेरे, यंबोपिया और बियतनाम में प्रवेश कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

खण्ड 11 (ख) अस्थिरता-स्थिति

कोड	राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र
01	छात्र प्रदेश
02	असम
03	बिहार
04	गुजरात
05	हरियाणा
06	हिमाचल प्रदेश
07	जम्मू तथा काश्मीर
08	कर्नाटक

कोड	राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र
09	केरल
10	मध्य प्रदेश
11	महाराष्ट्र
12	मणिपुर
13	मेघालय
14	नागालैण्ड
15	उड़ीसा
16	पंजाब
17	राजस्थान
18	सिक्किम
19	तमिलनाडु
20	त्रिपुरा
21	उत्तर प्रदेश
22	पश्चिम बंगाल
23	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह
24	अरुणाचल प्रदेश
25	चंडीगढ़
26	दादरा और नागर हवेली
27	दिल्ली
28	गोवा, दमन और दियू
29	लक्षद्वीप
30	मिजोरम
31	पाकिस्तान

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH-I)

New Delhi, the 16th June 1981

No. F.6/81-S.C.A. (I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri T. Bhattacharya, Section Officer to officiate as Assistant Registrar with effect from June 8, 1981 to July 3, 1981 *vice* Shri A. Appa Rao, Offg. Assistant Registrar granted leave until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri S. Ghosh, Section Officer to officiating as Offg. Assistant Registrar with effect from June 16, 1981 to June 30, 1981 *vice* Shri K. B. Lal, Offg. Assistant Registrar granted leave, until further orders.

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Mrs. Krishna Bala Sud, Stenographer to officiate as Private Secretary to the Hon'ble Judge with effect from June 15, 1981 to July 3, 1981 *vice* Shri P. S. Parvatheesam, Offg. P. S. to Hon'ble Judge granted leave, until further orders.

MAHESH PRASAD,
Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th May 1981

No. A. 38013/6/80-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri R. N. Sharma a permanent Section Officer of Central Secretariat Service Cadre and officiating in Grade I of Central Secretariat Service as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st May, 1981.

The 8th June 1981

No. A. 38015/4/80-Admn.-II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st May, 1981 (Afternoon), Shri J.L. Kapur has relinquished the charge of the office of the Assistant Controller (D.P.) in the office of the Union Public Service Commission.

Y. R. GANDHI,
Under Secy.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th June 1981

No. 6-K/R.C.T./26.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. K. Rehani, a permanent Personal Assistant in the Commission as Senior P. A. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-1040 in an officiating capacity on *ad-hoc* basis w.e.f. 15-6-1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th June 1981

No. A/19036/11/78/Ad. V.—The services of Shri V. H. Mirajkar, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, an officer of Maharashtra State Police on deputation to Central Bureau of Investigation are placed at the dis-

posal of the Maharashtra State with effect from the forenoon of 8-6-1981.

HERO A. SHAHANEY,
Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 16th June 1981

No. 0.II-1580/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Inder Mohan Thakur as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from 21-5-1981 (F.N.) subject to his being medically fit.

The 23rd June 1981

No. 0-II-354/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri B. L. Takiar as Assistant Commandant in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders.

2. Shri B. L. Takiar took over charge of the post of Asstt. Commandant 65 Bn., C.R.P.F. on the afternoon of 14-2-1981.

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 12th June 1981

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri V. K. L. Rao assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BSL Bokaro with effect from the forenoon of 6th April, 1981.

The 15th June 1981

No. E-38013(4)/81-Pers.—On his promotion, Shri N. Ghosh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, BSP Bhilai, w.e.f. the forenoon of 27th April, 1981.

No. E-38014(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri R. M. Ahluwalia, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BSP Bhilai w.e.f. the afternoon of 2nd May, 1981.

No. E. 38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion Shri S. D. Dangwal assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, BCCL Jharla with effect from the afternoon of 2nd May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri B. K. Mehta assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda w.e.f. the forenoon of 19th March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri Darbha Viswanath assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, ISRO Thumba w.e.f. the forenoon of 7th April, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Madras, Shri S. S. Kadlan assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, A.S.P. Durgapur, with effect from the afternoon of 4th May, 1981.

No. E-16016/11/79-Pers.—On his retirement on attaining the age of superannuation, Shri S. N. Dandona relinquished the charge of the post of Accounts Officer, CISF HQ New Delhi w.e.f. the afternoon of 30th April, 1981.

SURENDRA NATH,
Director General.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th June 1981

No. 10/20/79-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 18th August, 1980, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 30th June, 1981, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in Paragraph 2 of this office notification No. 12/5/74-RG (Ad.-I) dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chaudhuri will be at Calcutta.

No. 7/6/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint S/Shri R. P. Gupta and Pradcep Mehra, officiating in the post of Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, to the same post, in substantive capacity, with effect from the 28th October, 1980.

No. 11/27/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri S. M. Nehal Hossain, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 28th May, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Hossain will be at Patna.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

SHRAM MANTRALAYA

SHRAM BUREAU

Simla-171004, the 11th July 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by six points to reach 433 (Four hundred and thirty three) during the month of May, 1981. Converted to base : 1949=100, the index for the month of May 1981 works out to 526 (Five hundred and twenty six).

T. YOGANAND,
Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 18th June 1981

F. No. B.N.P./G./4-79.—In continuation to this Deptt.'s Notification of even number Dated 20-5-1981 the appointment of Shri S. B. Deshmukh as Deputy Control Officer on *ad-hoc* basis is extended upto 28-6-1981 on the same terms and conditions.

M. V. CHAR,
General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 30th May 1981

No. Admn.-I/8 (27)/II/974.—The Comptroller and Auditor General of India has, with the concurrence of the Ministry of

Finance, sanctioned the permanent absorption of Shri N. K. Verma, Audit Officer in the Bharat Heavy Electricals Limited with effect from 1-12-1978. He is deemed to have retired from Govt. service with effect from the date of his absorption in the B.H.E.L. as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

M. S. SARNA,
Director of Audit.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 6th June 1981

No. Admn.-I/60 (83)/81-82/1063.—The Accountant General, Jammu & Kashmir has appointed Shri Avtar Krishen Qanoongo, a permanent Section Officer, to the post of as Accounts Officer in Scale 840-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June 1981 till further orders.

JAMES JOSEPH,
Sr. Dy. Acctt. General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 11th May 1981

No. Admn.-I/I.A.D./5 (337)/2.—Shri A. L. Satyanarayana, Subt. Accounts Officer of this office is deemed to have retired from Govt. service w.e.f. 12-3-1981 (F.N.) under Rule 37 of the C.C.S (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance O.M. No. 44(1)EV/71 dated 13-4-73 consequent on his permanent absorption in Goa Shipyard, Ltd., from the same date.

The Ministry of Finance has conveyed the sanction to the Permanent absorption of Shri A. L. Satyanarayana, Accounts Officer in Goa Shipyard Ltd., Goa w.e.f. 12-3-1981 (F.N.) on the terms & conditions communicated under Comptroller & Auditor General's office d.o. letter No. 1057/GE.II/1-81 dated 27-4-1981.

R. S. SHARMA,
Sr. Dy. Accountant General/S

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 9th June 1981

No. Admn.-I/11-144/Notification/87.—The Accountant General—I U.P. Allahabad has appointed the following section Officers to officiate as Accounts Officer in this until further orders with effect from the dates noted against each.

1. Shri Ram Laxhan Agarwal	2-6-1981 (F.N.)
2. Shri Shiv Prasad Shukla	23-4-1981 (F.N.)
3. Shri Triloki Nath Tewari	23-4-1981 (F.N.)
4. Shri Santosh Kumar Moitra	22-4-1981 (A.N.)
5. Shri Ramesh Chandra Anand	25-4-1981 (A.N.)
6. Shri Ram Dhani Singh-I	2-5-1981 (F.N.)
7. Shri Prakash Bahadur	25-4-1981 (A.N.)
8. Shri Abhai Charan Sinha	2-6-1981 (F.N.)

S. J. S. AHLUWALIA,
Sr. Dy. Accountant General (A)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 12th June 1981

No. A.N./I/1824/5/Vol.-I.—Shri D. Raghava Rao, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 29-12-1981 (his

date of birth being 30-12-1923) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-12-1981 (A.N.) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 31-12-1981 (A.N.) in terms of Rule F.R. 56 (a).

C. V. NAGENDRA,
Addl. Controller General of Defence Accounts
(A.N.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 16th June 1981

No. 21/81/G.—Shri N. K. Nair, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired voluntarily from service with effect from 10-4-1981 (F/N).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS
New Delhi, the 18th June 1981
IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/81-Admn. (G)/3616.—The President is pleased to appoint Smt. P. Mohan and Shri M. L. Jayant (CSS Grade I Select List 1978 to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 21-7-1980, until further orders.

No. 6/540/59-Admn. (G)/3633.—On attaining the age of superannuation, Shri K. B. Lall Kapoor, officiating Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st May, 1981.

A. N. KAUL,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 12th June 1981

No. A-19018/505/80-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Pradip Kumar Mukherjee as Deputy Director (Mechanical) at Regional Testing Centre, Calcutta with effect from the forenoon of 20th May, 1981, until further orders.

C. C. ROY,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 12th June 1981

No. A-1/1 (1122).—Shri A. R. Subramanian, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government Service

with effect from the afternoon of 30th April, 1981 on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1 (1154).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. J. Tahiliani, officiating Assistant Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from 8-5-1981 (F.N.).

No. A-1/1 (1164).—Shri Paritosh Ghosh, officiating Assistant Director (Lit.) (Gr. I) on *ad-hoc* deputation basis in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta, is reverted to the post of Junior Field Officer in the same office with effect from 16-4-1981 (A.N.).

No. A-1/1 (1176)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. Ekambarm, J.F.O. at Headquarters to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 29th May, 1981 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri Ekambarm as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Ekambarm relinquished charge of the post of J.F.O. at Headquarters on 25-5-1981 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 29th May, 1981 in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay.

(ADMN. SECTION A-6)

No. A-17011/188-A-6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri P. P. Sengupta, Examiner of Stores (Met.) in the office of Director of Inspection, Burnpur to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met.) in the same office w.e.f. the forenoon of 22nd May, 1981 purely on *ad-hoc* basis until further orders.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General

New Delhi, the 6th June 1981

No. A-6/247 (543).—The President is pleased to appoint Shri Shyama Prasad Basu, Assistant Inspecting Officer (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.), Burnpur to officiate in the post of Assistant Director of Inspection (Met.) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met. Branch in the same office with effect from the forenoon of 19th May, 1981.

2. Shri Basu relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) on the forenoon of 19th May, 1981.

3. Shri Basu will be on probation for a period of 2 years from the forenoon of 19th May, 1981.

No. A-31013/9/80-A-6.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Deputy Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection

Service, Group 'A' with effect from the date indicated against the name of each officer :—

S. No.	Name	Post held	Post in which confirmed	Date of confirmation
S/Shri				
1.	P. C. Bose (Retired)	Director of Inspection (Jamshedpur) (Retired w.e.f. 30-9-78 A.N.).	DDI (Met.)	12-11-1975
2.	K.C. Chatterjee (Retired)	Deputy Director of Inspection (Burnpur) (Retired w.e.f. 30-11-1980 A.N.)	DDI (Met.)	12-11-1975
3.	P. K. Mustafi	Deputy Director of Inspection (Jamshedpur)	DDI (Met.)	12-11-1975
4.	R. M. Rudra (Retired)	Deputy Director of Inspection Durgapur, under the Dte. of Inspection (Met.), Jamshedpur (Retd. w.e.f. 31-8-1976 A.N.)	DDI (Met.)	1-07-1976
5.	S. K. Pandey	Deputy Director of Inspection Bhilai under the Dte. of Inspection (Met.), Jamshedpur.	DDI (Met.)	14-7-1978

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th June, 1981

No. 3315B/50/66 (SA).—Shri S. Anantha Ram, Shift Boss, Southern Region, Geological Survey of India is released on resignation on the forenoon of 5th December, 1977 from the services of this Department.

The 15th June, 1981

No. 3425B/A-19012/3-T.K.M./80-19B.—Shri Tapan Kumar Mandal is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 560-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200. in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-4-1981, until further orders.

The 16th June, 1981

No. 3461B/A-32014 (1-Asstt. Geol.)/78-19A.—Shri S. V.R. Murthy Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-18-146 GI/81

1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd April, 1981 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 16th June 1981

No. C-5730/718-A.—Shri N. Ramaswami, Office Superintendent (Sr. Scale), CST&MP, Hyderabad is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad-hoc* basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from 24th April, 1981 (A.N.) *vice* Shri K. V. Krishnamurthy, Establishment and Accounts Officer proceeded on Earned Leave for 45 days.

No. C-5731/718-A.—Shri G. R. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from 2nd May, 1981 (F.N.) *vice* Shri S. N. Subba Rao, Establishment and Accounts Officer transferred.

K. L. KHOSLA
Lieut. General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 15th June, 1981

No. F-92-168/80-Estt./9816.—Dr. Radheshyam Murlidhar Sharma is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the Scale of Rs. 650-1200) in Andaman and Nicobar Regional Station, Zoological Survey of India, Port Blair in a temporary capacity with effect from 21-4-1981 (forenoon) and until further orders.

DR. B. K. TIKADER
Director,
Zoological Survey of India.

DIRECTOR GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th May, 1981

No. 31/5/80-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Field Reporters to officiate as Extension Officers in the pay scale of Rs. 650-1200 with effect from the date at AIR Stations/Offices, shown against their names :—

S. No.	Name	Date of appointment	Office where posted
1.	Shri P. N. Mishra	19-12-80	AIR, New Delhi
2.	Shri M.C.P. Nambiar	19-12-80	AIR, Calicut
3.	Shri A. C. Majhi	19-12-80	AIR, Cuttack
4.	Shri K. G. Sinha	12-1-81	AIR, Jaipur
5.	Shri A. Dasa	26-3-81	AIR, Panaji

The 22th June 1981

No. 2/22/62-SII.—Director General, All India Radio, is hereby pleased to appoint Shri Ram Prakash, HC/Actt., Central Stores, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, All India Radio Leh with effect from 8-6-1981 (F.N.).

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 11th June 1981

No. 4 (77)/75-SI.—With reference to the Notification dated 7th March, 1981 published in the Gazette of India (Part IV, No. 10 at page 36) and in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs O.M. No. 60/272/48-Ests. dated 3-11-1948, Shri Nanda Ram Sharma, Programme Executive, All India Radio, Jodhpur will hereafter be known as Shri "Nanda Bharadwaj".

The 17th June 1981

CORRIGENDUM

No. 5 (54) 68-S.I.—For words "as Programme Executive, AIR, Trivandrum" appearing in third line of this Directorate's Notification No. 5 (54) 68-S.I. dated 22-4-81 concerning the appointment of Smt. A. Indira Joseph, TREX, CBS, AIR, Trivandrum as Programme Executive please read as "as Programme Executive, CBS, AIR, Trivandrum".

The 18th June 1981

No. 5 (11) 68-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mahmood Khan, Transmission Executive, AIR, Vijayawada as Programme Executive, All India Radio, Pondicherry in a temporary capacity with effect from the 30th May, 1981 and until further orders.

No. 4 (29) 80-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Nilima Harjal as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 30th May, 1981 and until further orders.

No. 5 (9)/68-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. S. Ramanujam, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive, All India Radio, Tiruchirappalli in a temporary capacity with effect from 5th June, 1981 and until further orders.

No. 5 (33) 68-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Kusum Zutshi, Transmission Executive, AIR, Allahabad as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from the 1st April, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 12th June, 1981

No. 10/34/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pankajakshan Janardhana Kurup as Assistant Engineer, at the Office of the Director of Sales, Vividh Bharati Service, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 27-4-1981 (F.N.) until further orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 12th June 1981

No. A-12026/5/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bhaskar Nayar, Technical

Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate, on ad-hoc basis, with effect from 1st June 1981, vice Shri C. Abraham, Assistant Media Executive, granted leave.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th June 1981

No. 17-28/73-Admn.-I.—Consequent on his appointment as Officer on Special Duty (a Grade II post of the I.S.S.) in the Department of Statistics, Central Statistical Organisation, New Delhi, Dr. P. M. Roy relinquished charge of the post of Statistical Office (Planning) in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of the 20th May, 1981.

The 16th June 1981

CORRIGENDUM

No. A. 31013/5/80- (J.I.P.)/Admn. I.—In this Directorate Notification No. 31013/5/80 (J.I.P.)/Admn.-I., dated 14-4-1981, for the date "with effect from the 26th December, 1979", read "with effect from the 26th December, 1977".

The 17th June 1981

No. A-12026/5/81 (H.Q.)/Admn.-II.—The Director General of Health Services, is pleased to appoint Shri S. G. Bhardwaj, Chief Architectural Assistant, Central Design Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Technical Officer in the same Directorate on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st June, 1981, until further orders.

T. C. JAIN
Dy. Director of Administration

O & M

New Delhi The 11th June 1981

No. A-19019/5/79-C.G.H.S.-I.—Consequent upon her transfer from C.G.H.S. Meerut to C.G.H.S. Delhi Dr. Miss. B. M. Roy relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under C.G.H.S. Meerut with effect from the afternoon of 17-2-81 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under C.G.H.S. Delhi with effect from the forenoon of 18-2-1981.

The 15th June 1981

No. A-19018/13/81-C.G.H.S.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Vinod Kumari Sharma to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 6-5-1981.

No. A-12023/5/79-C.G.H.S.-J.—Consequent upon his transfer from C.G.H.S. Delhi to C.G.H.S. Lucknow, Hakeem M. A. Samad, Unani Physician relinquished charge of the post of Unani Physician under C.G.H.S. Delhi with effect from the afternoon of 6-11-1980 A.N. and assumed charge of the post of Unani Physician under C.G.S. Lucknow with effect from the forenoon of 17-11-1980.

No. A-19018/21/80-C.G.H.S.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. S. Ukey to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 4-5-1981.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (C.G.H.S.I)

MINISTRY OF AGRICULTURE
DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION
DIRECTORATE OF ECONOMICS & STATISTICS

New Delhi, the 7th May 1981

No. 1-2/81-Estt. I-E.S.—Shri M. L. Jain, Hindi Translator (Grade II) in the Ministry of Irrigation is appointed by the Economic & Statistical Adviser as Hindi Officer in the Directorate of Economics & Statistics (Group 'B' Gazetted) in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 on an ad-hoc basis with effect from 15-4-1981 (A.N.) on the terms and conditions contained in this Directorate letter of even number dated 1-4-1981.

DARBARI LAL
Chief Administrative Officer
for Economic & Statistical Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 11th June 1981

No. P.A./79(11)/79-R.-III.—The Controller Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kartarsingh Gopalsingh Vaswaney, Stenographer-III, Power Projects Engineering Division of D.A.E. to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of June 1, 1981 until further orders.

The 19th June 1981

No. P.A./26 (3)/79-R.-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Surendra Awadhnarain Jha, Assistant Accounts Officer, D.A.E. to officiate as Accounts Officer II (Rs. 840-1200) in VEC Project, BARC, Calcutta with effect from the afternoon of May 20, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 22nd June 1981

No. N.A.P.P./Adm./18(1)/81/S./7485.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-960/- in the Narora Atomic Power Project from June 1, 1981 to July 10, 1981, vice Shri S. C. Jain, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

K. V. SETHUMADHAVAN
Senior Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 10th June 1981

No. P.A.R./0704/2889.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri S. Raghavendra Rao, Upper Division Clerk to officiate as Asstt. Personnel Officer on ad-hoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 1-6-81 to 17-6-81, or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 17th June 1981

No. ref 05052/81/Feb./4495.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Subramanyam Natarajan, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

The 22nd June 1981

No. ref 05000/R-1/O.P./4570.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Namblar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis from the forenoon of March 20, 1981 to May 27, 1981 (A.N.) vice Shri S.K. Limaye, Assistant Accounts Officer, transferred to Department of Atomic Energy, Bombay. This issues in supersession of this office notification No. 05000/R-1/O.P./2077 dated April 30, 1981.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane, the 3rd June 1981

No. T.A.P.S./1/18 (3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-960) on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of April 20, 1981 and upto May 30, 1981 (A.N.) vice Shri J. L. Jain, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE
Administrative Officer-III.

DEPARTMENT OF SPACE

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 6th June 1981

No. S. A. C./Est./I.S.C.E.S./7099/81.—The Director is pleased to appoint Shri Vijay J. Bhatt as Engineer S.B. in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Department of Space, with effect from the forenoon of April 27, 1981 for a period upto November 30, 1981.

No. SAC/EST/ISCES/9001/81.—The Director is pleased to appoint Shri Nilim Jayantilal Shah as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Department of Space with effect from the forenoon of April 30 1981 for a period upto November 30, 1981.

The 10th June 1981

No. EST/ISCES/5176/81.—The Director, SAC is pleased to accept the resignation from service of Shri D. A. Shah, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of June 1, 1981

C. R. SHAH
Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi the 20th June 1981

No. E(I) 04317.—Dr. Y. Ramanathan Meteorologist Grade I of the Headquarters office of the Director General of Meteorology New Delhi, India Meteorological Department has voluntarily retired from the Government service with effect from the afternoon of 15-6-1981.

NOOTAN DAS
Director (Administration)
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi the 28th May 1981

No. A-38013/1/81-E.C.—The undermentioned two Technical Officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 30-4-81 (A.N.) at station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting
1. Shri K. G. Louis		Aero. Comm. Station Hyderabad
2. Shri R. S. Sandhu		Radio Construction & Dev. Units New Delhi.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi the 11th June 1981

No. A-38013/1/81-E.A.—Shri Sarup Singh Aerodrome Officer Office of the Regional Director Delhi retired from Government Services on the 31st May 1981 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA.
Deputy Director of Admin.

New Delhi the 28th May, 1981

No. A-32013/11/79-E.C.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge.
S/Shri				
1.	S.C. Dureja	Aero. Comm. Stn. Palam	Aero. Comm. St. Palam	30-4-81 (F.N.)
2.	S. P. Jain	Aero. Comm. Stn. Pala	Aero. Comm. St. Palam.	30-4-81 (F.N.)

No. A-39012/1/81-E.C.—The President is pleased to accept the resignation of Shri V. B. Singh, Communication Officer, Aero. Comm. Stn., Ahmedabad w.e.f. 31-3-1981 (A. N.).

The 15th June 1981

No. A-32013/2/80-E.C.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis upto 30-6-1981 w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting.	Station to which posted.	Date of taking over charge.
S/Shri				
1.	M. Raghavan	Aero. Comm. St., Bombay	Aero. Comm. Stn., Bombay.	16-4-81 (F.N.)
2.	P.K.K. Pillai	Aero. Comm. Stn, Bombay	Aero Comm. Stn, Bombay	2-5-81 (F.N.)
3.	J. K. Chopra	Aero. Comm. Stn, Palam.	Aero. Comm. Stn, Palam.	2-6-81 (F.N.)

No. A. 32013/10/80-E.C.—The President is pleased to appoint Shri N. Sadasiva Sarma, Communication Officer, Aeronautical Comm. Station, Trivandrum to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 31-3-81 (F.N.) for a period of six months and to post him in the office of the Director of Communication, Aero. Comm. Station, Madras Airport, Madras.

The 16th June 1981

No. A. 38013/1/81-E.C.—Shri S. K. Guha, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his office on 30-4-81 (A.N.) on retirement on attaining the age of superannuation.

The 18th June 1981

No. A-32014/5/80-E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. Batra, Technical Assistant, Aero. Comm. Station, Lucknow to the grade of Asst. Tech. Officer on regular basis with effect from 29-4-81 (F.N.) and to post him at Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

No. A. 32014/5/80-E.C.—In partial modification of this office Notification No. A. 32014/5/80-E.C. dated 5-5-81, S. No. 20 thereof is amended to read as under :—

S. No.	Name	Station of posting
20.	Shri I. S. Vedi	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.

The 20th June 1981

No. A. 38013/1/81-E.C.—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on date and station indicated against each :—

S. No.	Name and designation	Station of posting.	Date of retirement.
S/Shri			
1.	K. G. Joseph, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Snt., Cochin	30-4-81 (A.N.)
2.	R. Srinivasan, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Stn., Madras	30-4-81 (A.N.)
3.	S. P. Sahani, Tech. Officer.	Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	30-5-81 (A.N.)

No. A-32013/11/79-E.C. (Pt.).—The President is pleased to appoint Shri S. Sundararaman, Technical Officer in the office of the Regional Controller of Communication, Calcutta Airport, Calcutta to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis

for a period of six months with effect from 7-4-81 (F.N.) and to post him in the same office.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 20th June 1981

No. A-32013/3/79-E.S.—The President is pleased to appoint Shri S. G. Goswami to the grade of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection on ad-hoc basis with effect from 10-6-81 to 10-7-81 in the vacancy caused by Shri T. K. K. Nair, Controller of Aeronautical Inspection, Bangalore who proceeded on earned leave.

J. C. GARG
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd June 1981

No. 1/9/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Perumal, Technical Assistant, Madras as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 23rd March, 1981, and until further orders.

No. 1/118/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Bengal, Asstt. Admn. Officer, D. T. S. Poona as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the Madras Branch with effect from the forenoon of the 28th February, 1981 and until further orders, on regular basis.

No. 1/185/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Indra Pal Singh, as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the O.C.S. Field Office, Srinagar, with effect from the forenoon of the 24th February, 1981 and until further orders.

No. 1/490/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. J. Puri, Tech. Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 25th March, 1981 and until further orders.

No. 1/492/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. K. Sharma, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the O.C.S., Ahmed Satellite Earth Station, Laohi-wala, Dehra Dun with effect from the forenoon of the 2nd April, 1981 and until further orders.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 21st April 1981

No. 16/362/80-Ests. I.—In supersession of this office Notification of even number dated the 5th July, 1980, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Padam Sain, Accounts Officer of the Office of Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun, as Accounts Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the afternoon of 3rd June, 1980 until further orders. The deputation of Shri Padam Sain will be governed under the provisions of Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O.M. No. F. 10 (34/E-III/60 dated 4-5-1961) as amended from time to time.

R. N. MOHANTY
Registrar,
Forest Research Institute & Colleges.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 17th June 1981

No. 6/81.—Consequent upon his transfer Shri A. K. Kaushal, Superintendent, Group-A, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur

has assumed charge as Additional Superintendent, Group-A, Central Excise Range, Ballarpur in the forenoon of the 6th May, 1981.

No. 7/81.—Consequent upon his transfer Shri Harjinder Singh, Superintendent (Technical), Group-A, Central Excise, Division-I, Nagpur has assumed charge as Additional Superintendent (Valuation) Group-A, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in the afternoon of the 11th May, 1981.

K. SANKARARAMAN
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 20th June 1981

No. 8/81.—Shri N. K. R. Nair, Appraiser of Bombay Customs House, on transfer to the West Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Bombay vide Directorate order C. No. 1041/2/81 dated 5-12-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 8-5-81 (afternoon).

No. 9/81.—Shri N. M. Kohli, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Delhi Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 81/81 (F. No. A-22012/18/81-Ad. II) dated 13-5-81, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 3-6-1981 (Afternoon).

K. J. RAMAN,
Director of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 19th June 1981

No. A-32012/1/81-Estt. V (Vol. II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints the following Officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineers, on ad-hoc basis in the Central Water Commission on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the forenoon of 10th June, 1981 until further orders :—

Sl. No.	Name of Officer
---------	-----------------

- | | |
|--------|------------------|
| S/Shri | |
| 1. | S. P. Sehgal |
| 2. | Abdul Saleem |
| 3. | S. C. Sharma |
| 4. | S. C. Singhal |
| 5. | R. N. Tiwari |
| 6. | V. N. Srivastava |
| 7. | H. C. Yadav |
| 8. | P. P. Singh |
| 9. | B. P. Pant |
| 10. | Blswa Ranjan Das |
| 11. | J. N. Dwivedi |
| 12. | D. N. Bera |
| 13. | Narendra Nath |
| 14. | Thamanjit Singh |
| 15. | N. Mathai |
| 16. | Awadhesh Sharma |
| 17. | G. P. Verma |
| 18. | Mehboob Ali |
| 19. | Pashupati Das |
| 20. | Ashok Ahluwalia |
| 21. | K. Choudhary |
| 22. | Munni Ram |
| 23. | V. P. S. Tomer |

Sl. No.	Name of Officer
---------	-----------------

S/Shri

- | | |
|-----|-----------------------|
| 24. | J. C. Das |
| 25. | Pramod Kumar |
| 26. | Ram Sumiram |
| 27. | P. K. Chatterjee |
| 28. | Jai Ram |
| 29. | N. R. C. Rao |
| 30. | L. Hargopal Rao |
| 31. | Jai Prakash |
| 32. | Umesh Kumar |
| 33. | S. D. Khatri |
| 34. | Mangal Dutta |
| 35. | R. P. Tripathy |
| 36. | M. G. Lulla |
| 37. | R. N. Roy |
| 38. | Vinay Kumar Sharma |
| 39. | Ajay Sinha |
| 40. | Jagmohan Singh Taneja |
| 41. | A. D. Singh |
| 42. | Nakul Dev |
| 43. | I. C. Tyagi |
| 44. | S. K. Babber |
| 45. | S. R. Saini |
| 46. | Ravinder Kumar Bathla |
| 47. | I. J. Sharma |
| 48. | V. K. Malhotra |
| 49. | Bal Kishan |
| 50. | A. K. M. Govil |
| 51. | Rajeshwar Prasad |
| 52. | Ajay Kumar Sharma |
| 53. | K. R. K. Shastri |
| 54. | Gautam Prasad Mathur |
| 55. | J. K. Chopra |
| 56. | M. R. Chakraborty |
| 57. | G. M. Merani |
| 58. | V. A. Sathirajan |
| 59. | Kirti P. Desai |
| 60. | Rajpal Singh Bir |
| 61. | Shiv Charn |
| 62. | A. S. Chawla |
| 63. | S. L. Kewalramani |
| 64. | D. N. Dahiya |
| 65. | V. P. Ravindran |
| 66. | Vijay Kumar Midha |
| 67. | Chhda Singh |

(2) The above mentioned officers will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 4th May 1981

(CHANGE OF NAME)

No. H.P.B./Gaz./B.F./B.T.—Consequent upon her marriage Dr. (Miss) Basanti Toppo, A.D.M.O. (Class I) Bhusawal has intimated her desire to be known in future by the name of Dr. Mrs. Basanti Minj. This has been agreed to.

T. N. RAMACHANDRAN
General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 9th June 1981

No. G-65/B (Con.).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Parag Dutta, Scientific Assistant (Chemical) National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Chem.) in the same office on an adhoc basis w.e.f. 23-5-1981 until further orders.

A. BANERJEE
Deputy Director (Admn.)
for Director General.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
KARNATAKA

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
Hexagon Construction Company Private Limited.*

Bangalore, the 16th June 1981

No. 2964/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to [sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hexagon Construction Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
Dhanad Benefit Private Limited.*

Ahmedabad, the 19th June 1981

No. 2085/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Dhanad Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
Cane Juice Private Limited.*

Ahmedabad, the 19th June 1981

No. 1961/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cane Juice Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE
Asstt. Registrar of Companies,
Gujarat.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 20th June 1981

No. F-48-Ad. (A.T.)/81.—Shri A. Ramakrishnan, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar

Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 26-3-1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad. (A.T.)/81, dated 6th April, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from the 26th June, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri A. Ramakrishnan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA
President
Income-Tax Appellate
Tribunal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5222.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16-K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 37, Kila No. 1 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 3-6-1981
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5223.—Whereas 1, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—146GI/81

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. 37, Kila No. 8 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5229.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)'

- (2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16-K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in
Rect. No. 36, Kila No. 15 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5241.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

- (2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 36, Kila No. 14 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5227.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh
a/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. 37, Kila No. 10 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5226.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16-K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 36, Kila No. 6 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/3221.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan
(Transferor)
- (2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K.G. Marg,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. 37, Kila No. 11 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi, the 3 June, 1981

Whereas J. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1 Shri Charan Singh
s/o Shri Lala r/o
village Bijwasan,

(Transferor)

2 M/s. Green Park Treatres
Associate (P) Ltd.
115, Ansal Bhavan,
16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 6, Killa No. 21 (4-09) in Villabe Biswasan.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of IncomeTax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated : 3-6-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Reference No. IAC/Aaq.-I/SR-III/10-80/5224—Whereas,
I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situate at village Bijwasan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1 Shri Charan Singh
S/o Shri Lalar
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associated (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 4 bighas and 9 boswas comprised in Rect. No. 37, Kila No. 9 min.(4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated : 3-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

1 Shri Charan Singh
S/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associated Private Ltd.,
15, Ansal Bhawan,
16, K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd, June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5225—Whereas
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 3 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 6, K.I. No. 21 min. (0-07), Rect. No. 36, K. No. 6 min. (0-07), 14 min. (0-07), 15 min. (0-07), Rect. No. 37, K. No. 1 min. (0-07), min. (0-07) 8 min (0-02), 9 min. (0-2), 10 min. (0-07), 11 min. (0.07) and 26 (0-09), in Village Bijwasan.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
20—146GI/81

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

1 Shri Mahabir Singh
S/o Nanhey r/o. Village Bijwasan.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16, K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. : No. IAC/Acq-I/SR-111/10-80/5098 where as
I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Delhi village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 3 bighas and 19 biswas comprised in Ret. No. 37, K. No. 22(3-19) in Village Bijwasan,

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
[New Delhi.

Dated : 5-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5097— Where as I,
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on Oct. 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—1 Shri Mahabir Singh
S/o Shri Nanhey
r/o. Village Bijwasan

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect.
No. 37, K. Nos. 23 (4-07) and 29 (0-02) in Village Bijwasan.VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New DelhiDated : 5th June, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5096—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1 Shri Mahabir Singh
S/o Shri Nanhey
r/o Village Bijwasan. (Transferor)
- 2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K.G. Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 7 biswas comprised in Rect. No. 44, K. No. 1 South (3-07) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range- I,
New Delhi

Date : 5-6-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5095—whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1 Shri Mahabir Singh
s/o Shri Nanhey
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 4 bighas and 16 biswas comprised in Re No. 45 K. No. 5 (4-16) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Dated : 5-6-1981
Seal :

FORM XXX**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5094—whereas, I,
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on Oct., 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely:—

1 Shri Dewan Singh
S/o Raisal r/o Village Bijwasan

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K.G. Marg,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 5 bighas and 4 biswas comprised in Rect.
No. 37, Kila No. 21 (4-08) and Rect. No. 44, K. No.
1 North (0-16), situated in Village Bijwasan

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range -I,
New Delhi

Dated : 5-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5232.—Whereas I, **VIMAL VASISHT**

being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan on October, 1980

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) **Shri Sukender,**
Shri Narender and
Shri Satender
sons of late Shri Bhagwan Singh
through their mother
Smt. Gildondee
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) **M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,**
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5231.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Singh
and Rajesh
sons of Late Shri Mir Singh
through their mother Smt. Murti
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5236.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—146GI—81

(1) S/Shri Shamey Singh,
Raj Kumar and
sons of Shri Lakhi,
S/Shri Surender,
Narender and
Satender
sons of late Shri Bhagwan Singh
and S/Shri Rajinder Singh and
Rajesh
sons of late Shri Mir Singh
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. MARG,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-sixth share of Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5237.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shamey Singh
son of Shri Lakhi,
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5230.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shamey Singh
son of Shri Lakhl
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5234.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj Kumar
son of Shri Lakhi
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

- (2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila No. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5235.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar
son of Shri Laxhi
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/3233.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 1 October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Surender,
Narender and
Satender
sons of late Shri Bhagwan Singh
through their mother Smt. Gidondee
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37 K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5230.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Rajinder Singh and
Rajesh
sons of late Shri Mir Singh
through their mother Smt. Murti
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agriculture lands measuring bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5014.—Whereas I, **VIMAL VASISHT**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Revenue Estate, Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Kanwarlal and Hoshiar Singh sons of Shri Puran and Smt. Sarjo Devi alias Marwan,

w/o Shri Kanwarlal,
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd.
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 bighas and 8 biswas comprised in Rect. No. 36, K. No. 18 (4-08), situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-6-1981
 Seal:

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5013.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Revenue Estate of Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—146GI/81

- (1) S/Shri Kanwarlal and Hoshiar Singh sons of Shri Puran, and Smt. Sarjo Devi alias Marwan, w/o Shri Kanwarlal r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas comprised in Rect. 36, K. No. 23 (4-16), situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4954—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehrauli, New Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Modhpur,
Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 61,
Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT,
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4955.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulsī Ram,
Shri Fateh Chand,
Shri Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 62, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4952.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulsi Ram,
Shri Fateh Chand
Shri Balbir Singh
Balbir Singh
sons of Ram Dala
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12, Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, K. No. 42
Village Gadampur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4956.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O.M.P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, K. No. 43, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4957.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Shri Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Modhpur Munirka,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 18 biswas, K. No. 40/1 (0-13), 40/2 (5-1), 64 min (0-4), Village Gadai Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4953.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Shri Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 63,
Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5371.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kanwal Singh and Partap Singh sons of Shri Sib Lal, r/o Village Deoli.
- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Malawa Ram C-14, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one bigha and 18 biswas comprised in Rect. No. 11 Kila No. 2 min (0-18) and No. 23 min (1-00) in the Revenue Estate of Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5376.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—146GI/81

(1) S/Shri Kanwal Singh and
Partap Singh
s/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
r/o C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 23 m/n (2-09) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5373.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kanwal Singh
and Shri Partap Singh
s/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli,

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14 Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 bighas and 7 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 13 (3-07) situated in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5372.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kanwal Singh
and Partap Singh
s/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli,
Union Territory of Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 1 biswas comprised in Rect. No. 11 Kila No. 24 min (2-05) n Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref No. I.A.C. /Acq, I/SR-III/10-80/5375—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Deoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kanwal Singh and
Shri Partap Singh
s/o Shri Sib Lal
r/o Village Dooli.

(Transferor)

- (2) Shri OmParkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 8 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 3 min. (2-08) in Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5374.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kanwal Singh and Partap Singh
S/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 5 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 14 min (2-05) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I A C/Acq.-I/S. R.-III/10-80/5373.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kanwal Singh
Shri Partap Singh
S/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.
- (2) Shri Om Parkash
S/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 3 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 4 min. (2-03) in Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5371.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) S/Shri Kanwal Singh and
Partap Singh
s/o of Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas in Rect. No. 11 Kila No. 24 min (2-00) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated : 4-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5363—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Agr. land situated at Village Deoli

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanan Singh son of
Shri Ami Chand r/o
Village Deoli

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash son of
Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 8 biswas comprised in Rectangle No. 12 Kila No. 16 in. (2-08) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5362—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Dehli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—146GI/81

(1) Shri Karan Singh S/o
Shri Ami Chand
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash son of
Shri Malawa Ram
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and biswas comprised in Rect. No. 12, Kila No. 16 min. (2-08) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New DelhiDate : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5378—Whereas, I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanwal Singh and
Partap Singh sons of
Shri Sib Lal, r/o
Villag Deoil.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash son of
Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 14 min. (2-00) in Village Deoil.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 5-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. ITA C/Acq.-I/S. R.-III/10-80/5088.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Neb Sarai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kartar Singh
S/o Shri Ram Chand
r/o Village Neb Sarai

(Transferor)

- (2) Shri R. M. Puri,
S/o Shri C. L. Puri,
A-1, Geetanjali,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 10 bighas and 15-1/2 biswas being one-fourth share comprised in K. Nos. 190/2 (1-08), 279/2 (3-06), 180 (1-00), 281 (2-02), 282 (2-00), 294 (3-10), 297 (2-16), 301/1 (1-15), 385/1 (2-09), 399 (0-06), 421 (4-10), 659 (4-16), 660 (4-16), 661/1 (3-12), 661/2 (1-04), 662/1 (3-12) situated in Village Neb Sarai.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3812.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Z-66, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satish Kumar Sharma
s/o Shri Vaid Bhagwan Dass &
Shri Ram Nath Sharma
s/o Shri Vaid Bhagwan
r/o J-10/1, Rajouri Garden, New Delhi
through his attorney Smt. Sunita Sharma.

(Transferor)

- (2) Smt. Meera Gupta
w/o Shri Subhash Gupta
r/o Z-66, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. Z-66, measuring 500 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Village Tatarpur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 17-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/10-80/7014.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13, Road No. 32 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Parkash Taneja
s/o Shri Bhola Ram Taneja
r/o 4/37, WEA,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh Jain
s/o Mithan Lal Jain
2. Suresh Kumar Jain
3. Sushil Kumar Jain and
4. Anil Kumar Jain
sons of Shri Sukhbir Singh Jain
r/o 14/32, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Incomplete 2-1/2 storeyed house on Plot No. 13, Road No. 32, measuring 279.55 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 17-6-1981

Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/10-80/3897.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-112 (WZ-216), Block 'G' situated at Hari Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Lal Chaudhary
s/o Shri Daulat Ram or
WZ-216, Block 'G',
Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sardar Singh
s/o Shri Isher Singh,
Part of House No. G-112 (WZ-216),
Block 'G',
Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. G-112 (WZ-216), Block 'G', Hari Nagar, area 200 sq. yd.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I A C/Acq.-II/S. R.-I/10-80/7027.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-137, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Krishan Lal
r/o B-1/31, Janakpuri,
New Delhi and
M. C. Oberoi
r/o A-43, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ajudhya Prasad
2. Smt. Saroj Gupta
3 Shri Surinder Kumar
4. Shri Dinesh Kumar
all r/o 20 North West Avenue Road,
Punjabi Bagh Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house on Plot No. J-137, measuring 250 sq. yd. at Kirti Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 17-6-1981
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I A C/Acq.-II/S. R.-I/Oct. 1980/7056.—

Whereas, I, VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 4551-4556, I-1/16, situated at Darya Ganj, New Delhi-
110002

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Radha Kishan Seth
S/o Shri Mohan Lal Seth,
r/o Shanti Mohan Niwas,
16 Darya Ganj,
New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Shri Bhim Dev Chopra
S/o Shri Ganga Ram Chopra,
r/o XI/3831, Darya Ganj,
New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4551-4556, I-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3827.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14-A, on Road No. 47, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—146GI/81

- (1) Shri T. D. Chandna
s/o Shri Navnit Mal
r/o 14-A/47, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Savitri Devi
w/o Shri Jagdish Chand
2. Shri Suraj Parkash
3. Shri Chander Parkash &
4. Shri Ved Parkash
S/o Shri Jagdish Chand
r/o 3034, Quaziwara, Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 14-A, on Road No. 47, measuring 279.53 sq. yd. situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 17-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3882.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, Road No. 47, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala Devi
w/o Late Shri Dev Raj Sabharwal
r/o 13/28, Shakti Nagar,
Delhi-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. K. Gupta
2. Shri Brij Mohan Gupta
3. Shri Madan Mohan Gupta
4. Shri Jitender Kumar Gupta,
sons of Shri Tota Ram Gupta,
r/o House No. 8,
Road No. 47,
Punjabi Bagh,
New Delhi-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed property admeasuring 279.55 sq. yd. bearing property No. 8, situated at Road No. 47, Punjabi Bagh, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/October, 1980/7047.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

IX/3057, situated at Gali Raja Sohan Lal, Bazar Sita Ram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Tersem Chand Mittal and
2. Shri Subash Chand Mittal
ss/o Shri Kundan Lal
r/o 2035, Bazar Sita Ram,
Delhi-6.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Avtar
2. Shri Anand Kumar and
3. Lakshmi Narain
Ss/o Shri Rameshwar Dass
r/o 2192, Kucha Aakil Khan,
Bazar Sita Ram,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. IX/3057, Gali Raja Sohan Lal, Bazar Sita Ram, Delhi. With land measuring 496 sq. yd.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I, A. C./Acq.-II/S. R.-I/Oct. 80/7021.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N-25, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Daljit Singh
s/o Late Shri Gyan Singh
r/o N-25, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar Malhotra
s/o Shri Gurditta Ram,
B-75, Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house built on plot No. N-25, measuring 512 sq. yd. Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/Nov. 80/7196.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at North Avenue Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudershan Kumar
s/o Shri Hira Nand,
8-North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
New Delhi-26,
and Smt. Vidya Wati
w/o sh. H. N. Bhatia,
8-North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Santosh Kumari
w/o Shri Krishan Lal Sachdev and
2. Shri Krishan Lal Sachdev
s/o Dewan Chand Sachdev
31/71, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property on plot No. 8-North Avenue Road,
mg. 557.41 sq. yd. New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6888/10-80—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 49 situated at Raja Garden, area of Village Bassai Dara pur, Delhi State Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Chand Cheritable Trust
Society Regd.,
at 19, Golf Links, New Delhi through
its Chairman Shri Rattan Chand Sood.

(Transferor)

- (2) Shri Chander Mohan Duggal
s/o Shri Hans Raj Duggal
r/o 19/10, Punjabi Bagh,
New Delhi-26.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49, mg. 257.7/9 sq. yd. at Raja Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7033—Whereas I,
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. Plot No. 18, B-4, situated at Rana Pratap Bagh, Village
Sadhora Kalan, Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Delhi on Oct., 1981for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—(1) Shri Harmohinder Singh President of
M/s. Montgomery Co-Operative Goods
Transport Society Ltd.,
Roshanara Road, Delhi. r/o
3968-70 Roshanara Road, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chaman Lal S/o Shri Panna Lal Jain and
2. Shri Arun Kumar Jain s/o
Chaman Lal Jain r/o
132, Vir Bazar Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 347.4 sq. yr. bearing Plot No. 18, B-4, situated
in Rana Pratap Bagh, Village Sadhora Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7035—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XII/8685 to 9689 (Old) and XII/8791/3 (New) situated at Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gup Chand Jain s/o
Lala Kishore Lal Jain,
r/o XII/8791/3, Roshanara Road,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kumari w/o
Shri Dhanpat Rai
r/o XII/8791/3, Roshanara Road,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XII/8685 to 9689 (old) and XII/8791/3 (New)
mg. 254½ sq. yd, at Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 9-6-1981
Seal :

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/Oct. 80/7048—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2-A, Block G-20, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—146GI/81

- (1) 1. Shri Satya Bhushan and
2. Shri Subhash Chander
sons of Shri Devki Nandan r/o E-3,
Rattan Park, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Krishan s/o
Lala Tulsi Dass and
2. Shri Harbans Lal S/o
Shri Ram Krishan of
17-D, New Colony,
Model Basti,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2. 1/2 storeyed bldg. built on plot No. 2-A Block G-20, mg 140 sq. yd. Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE -II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/Oct. 80/7055—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Old No. 1154, New No. 2513 situated at Gali Chamar Wara Khurd, Tilak Nagar, Phattak Habas Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shmt Chandro Devi d/o
Shri Nand Kishore,
w/o Shri Babu Ram r/o
2513, Gali Chamar wara Khurd,
Tilak Bazar,
Phattak Habas Khan,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Nathu Mal Das Raj Rangwala
Katra Tobacco, Delhi-6 through
Shri Dev Raj Khurana s/o
Shri Des Raj Khurana
r/o C-96, Ashok Vihar,
Phase-I, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propert No. Mpl. Old No. 1154, New No. 2513 situated at Gali Chamar Wara Khurd, Tilak Bazar, Phatak Habas Khan, Ward No. 3, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Ocr. 80/7057—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 33 Block C situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M/s Navmala Construction Partnership concern at J-164, Rajouri Garden, New Delhi through its partners :
1. P. S. Chaudha, Inder Pal Singh, Balvindr Pal Singh, Sarvjit Singh, Arjit Singh & Inder Pal Singh
(Transferor)

- (2) Shri Ram Krishna, Shri Harbans Lal, Gurbachan Lal, Dalip Kumar, D-17, New Colony, Model Basti, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33 in Block C mg. 1030 sq. yd. at Rajouri Garden New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/Oct. 80/7052—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. Chand & Co. Ltd., through its Managing Director Shri Shyam Lal Gupta of Ram Nagar, New Delhi-1.

(Transferor)

- (2) M/s. Television & Components Pvt. Ltd., through its Mg. Dir. Shri J.S. Jhaveri of 5, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of the existing ground floor of the premises at 19-A, Darya Ganj, Delhi New Mun. No. 4633—1472 sqft.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-6-81

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7075 —Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1/1, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt Col. Cedric Edwin Conyngham Francis (Retired Indian Army)
s/o Late Shri Alam Conyngham Francis r/o
D/1/1, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri S. Mela Singh s/o S. Surjit Singh r/o
2/55, W.H.S. Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 112 sq. yd. portion of Plot No. D-1/1, at Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/q10-80/7077—Whereas I,
VIMAL VASISHTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-2/16 situated at Rajonri Garden, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sushil Kumar s/o
Shri Gopi Chand Sharma r/o
E-99, Tagore Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Dass Aggarwal s/o
Shri Mangi Lal Aggarwal,
C-2/16, Rajori Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building No. C-2/16, Rajouri Garden
New Delhi.

VIMAL VASISHTH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/Oct., 80/7020—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. D-29, situated at Ashok Road, Adrash Nagar, Delhi-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Bai w/o
Shri Hasa Nand Nagpal,
6/3, Singh Sabha Road,
Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Vasdev Amarpuri s/o
Rikhi Ram Amarpuri r/o
A-14, Nanda Road, Adrash Nagar,
Delhi -33 and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-29, Ashoka Road, Adrash Nagar, Delhi-33.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Ot. 80/7054—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. S Chand & Co. Ltd. through its
Mg. Dir. Shri Shyam Lal Gupta of
Ram Nagar,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Atlas Radio Traders through its partner
Shri J.S. Jhaveri of
5, Darya ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 19-A, Darya ganj, mg. 1500 sq. ft. portion of the existing ground floor of premises, New Delhi Mun. No. 4633.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I//Oct. 80/6995—r Whereas I,
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 659 and T.S.No. Plot No. 12, situated at Rama Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—146GI/81(1) Shri Chuni Lal Sethi s/o
Lala Khan Chand Sethi,
r/o D-8, Rana Pratap Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Gupta s/o
Shri Jai Lal Gupta,
r/o Village & P.O. Bankner,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 12, on Rama Road, Delhi, area 375 sq. yd. K. No. 36 and 38 situated in the Abadi of Adarsh Nagar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7007—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 28 Block C, situated at Nehru Road, Adrash Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baldev Krishan Sood s/o
Shri Walaiti Ram Sood
r/o C-41, Acharya Kriplani Road,
Adrash Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Lal R Gupta s/o
Shri Tika Ram r/o
B-4A/10 R.P. Bagh,
Delhi & Smt. Kiran Wati w/o
Shri R. D. Garg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28 Block C on Nehru Road, Adrash Nagar, Delhi, area 200 sq. yd.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-6-1981

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI
New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-J/10-80/7066—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. V/2392-2403 situated at Chatta Shahji, Chawri Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1908

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Memo Devi Jain, wd/o
Shri Prem Chand Jain,
r/o C-15/E, DDA Flats,
Munirka, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Link Properties Private Limited,
IX/697, Chawri Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undefined share in property No. V/2392-2403
Chatta Shahji Chawri Bazar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7091—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-5, SMA, situated at Cooperative Industrial Estate Ltd., Village Haiderpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) ~~Smt. Purna Devi Jain~~,
6066 Bari Market,
Sadar Bazar,
Delhi-6.

(Transferor)

- (2) Shree Veera Woolen Mills Private Limited,
6066, Bari Market, Sadar Bazar,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-5, SMA Cooperative Industrial Estate Ltd., Village Haiderpur, G.T. Karnal Road, Delhi reg. 1214/6-sq. yd.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7101—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-1/10 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suraj Bhan Khandelwal s/o
Shri Manna Lal & Smt.
Shanta Khandelwal w/o
Shri Suraj Bhan r/o
A-1/10, Model Town,
Delhi at Present S & A Drapers Ltd.
57/59, Padgrave Rd.
Licester (UK) through their attorney
Shri Sri Ram Gopal.

(Transferor)

- (2) Smt. Alka Vaid w/o
Sh. Vijay Kumar &
Smt. Kusum Vaid w/o
Shri Ashok Kumar r/o
A-1/10, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21/2 storeyed house No. A-1/10, Model Town, Delhi mg. 450 sq. yd. area of Village Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
New Delhi, the 16th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7053—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19-A, situated at Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. S. Chand & Co. Ltd., through its Mg. Dir. Shri Shyam Lal Gupta, of Ram Nagar, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Atlas Radio & Electronic Industries Pvt. Ltd., through its Mg. Dir. Shri J.S. Jhaveri of 5, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Middle portion of the existing ground floor of the premise & at 19-A, Darya Ganj, New Delhi, Mun. No. 4633-1064 sft area.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/October, 1980/7094.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15, Block E, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) M/s. Gurbax Singh Ram Chand & Co. (P) Ltd.,
8/86, Ramesh Nagar, New Delhi
through Managing Director Shri Ram Chand &
Director
Shri Gurbax Singh | (Transferor) |
| (2) Shri Mukand Lal and
Shri Ramesh Kumar
ss/o Shri Mool Chand
r/o E-13, Rajouri Garden,
New Delhi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, in Block E, measuring 598.44 sq. yd. out total measuring 630 sq. yds. at Rajouri Garden, area of Village Darapur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3810.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

BL/70, situated at Hari Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Ved Parkash &
2. Shri Sat Narain
ss/o Shri Hari Ram,
r/o D-118, (DS) Motia Khan,
Delhi.

(Transferor)

(2) 1 Smt. Gnan Wati Jain,
w/o Shri Gopi Ram Jain &
2. Smt. Munni Devi
w/o Shri Mahvir Parshad Jain
r/o 1731, Gall No. 126,
Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. BL/70, situated in L Block, Hari Nagar, Delhi area of Village: Tehar, Delhi measuring 223.88 sq. yds.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3836.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. V-1/3, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28—146GI—81

- (1) Shri Harnesh Singh,
Des Raj
Mulkh Raj and
Surinder Kumar
s/o Shri Ratta Ram Dandona
All r/o B-1/84, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. B & C Exports,
A-135, Defence Colony,
New Delhi
through its partner Shri Sat Pal Singh

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. V-1/3, measuring 214 sq. yd. at Rajouri Garden, New Delhi area of Village Tatarpur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Oct. 80/3884.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15, Class 'C', situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bishamber Nath Kapoor
s/o Shri Teja Mal Kapoor
r/o H. No. 55, Road No. 2,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Krishan Kumar Monga
s/o Shri Shori Lal Monga
r/o 11/13, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 15, in Class 'C' situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 541.47 sq. yd. area of Village Madipur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3794.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 7, Block G, situated at Sham Nagar, Village Khyala Delhi Part of K. No. 4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer (as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surjit Kaur
w/o Shri Mohinder Singh
r/o G/7, Sham Nagar,
Village Khyala,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Babbar
w/o Shri Kanwarjit Singh Babbar,
r/o B-1/126, Pachim Vihar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 7, Block G, area 100 sq. yd. situated in Sham Nagar, Village Khyala Delhi Part of K. No. 4.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Oct. 80/3817.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 10, Road No. 68, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Gurdit Lal Sharma
s/o Pt. Fateh Chand
r/o 33/24, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. S. Davinder Singh
2. S. Avtar Singh and
3. S. Harpal Singh
sons of S. Ajit Singh
r/o A-7, Subhadra Colony,
Sarai Rohilla,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, on Road No. 68, Class 'D' measuring 279.55 sq. yd. situated at Punjabi Bagh, New Delhi on Rohtak Road area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/Oct. 80/3828.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-6/88, situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Daya Wanti
wd/o Shri Malik Shiv Dass
r/o C2C/6, Pocket-II,
Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Meharban Singh and
S. Tejpal Singh
sons of S. Gurbachan Singh
r/o J-9/29, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-6/88, measuring 160 sq. yd. situated at Rajouri Garden, New Delhi-area of Village Tatarpur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 10th June, 1981

Ref: No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Oct. 80/3866.—Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dinder Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Raj Kumar Kayan,
r/o 45-Sayed Amir Ali Avenue,
Calcutta.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vinod Kumar Jain
2. Shri Arun Kumar Jain
ss/o Shri A. K. Jain,
36-A, Friends Colony East,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands K. No. 707/2 (5-18), 708/(6-13), 709/(4-10) 705/(5-16), 1094/706 (4-13), 1095/706 (0-4) Total 26-14, Village Dinder Pur, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 10-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3869.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(
No. House No. 1 on Road No. 44 situated at Punjai Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument (of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanjay Kumar
s/o Shri Hari Ram
r/o 3231, Ranjt Nagar,
New Delhi and
Shri Hari Ram
s/o Shri Narsingh Dass
r/o as above,
natural Guardian of his two minor sons
Kailash Narain and
Shri Sham Sunder
r/o as above.

(Transferor)

- (2) Shri Mahinder Kumar
s/o Shri Girdhari Lal Batra,
r/o 2/53-B, North Avenue Road,
Punjabi Begh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of House bearing No. 1, on Road No. 44, Class 'D' Punjabi Bagh, Delhi (342.22 sq. yds.).

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3894.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1 on Road No. 44 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanjay Kumar
s/o Shri Hari Ram
r/o 3231, Ranjit Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahinder Kumar
s/o Shri Girdhari Lal Batra
r/o 2/53-B, North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of House bearing No. 1, on Road No. 44, Class 'D' Punjabi Bagh, Delhi (342.22 sq. yds.).

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 9-6-1981

Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3870.—Whereas I,
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. H. No. 1 Rd. No. 44, situated at Punjabi Bagh,
New Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on October, 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
29—146GI—81(1) Shri Hari Ram
s/o Shri Narsingh Dass
r/o 3231, Ranjit Nagar,
New Delhi
as natural Guardian of his minor son
Shri Kailash Narain
r/o as above.

(Transferor)

(2) Shri Mahinder Kumar
s/o Shri Girdhari Lal Batra
r/o 2/53-B, North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share House No. 1, on Road No. 44. Class
'D', Punjabi Bagh, Delhi (342.22 sq. yd.).VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/10-80/3873.—Whereas I, **VIMAL VASISHT**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing () ()

No. House No. 1, Road No. 44, Class 'D' situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Ram
s/o Shri Narsingh Dass
r/o 3231, Ranjit Nagar,
New Delhi as natural Guardian of his minor son
Shri Sham Sunder
r/o as above.

(Transferor)

- (2) Shri Mahinder Kumar
s/o Shri Girdhari Lal Batra
r/o 2/53, North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of one House bearing No. 1, on Road No. 44, Class D, situated at Punjabi Bagh, Delhi area of Village Shakurpur, Delhi with the land measuring 342.22 sq. yds.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considered therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sushant Kumar Sen
s/o Shri Kshetra Kumar Sen,
Self & G.P.A. of Martilda,
Dawn Kumar,
Smt. Namita Washan,
Anita Girwa,
Mahinder Bhawan,
Power House Road,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Shanti Devi
W/o Shri Jagdish Prasad Gupta and
Pushpa Lata
W/o Shri Omprakash Garg,
Govind Rajal Ji Ka Rastra,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storey building bearing No. 13 Sen Colony, Power House Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2755 dated 27-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Jaipur.

Date : 10-6-1981

Seal :

FORM 112

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Bhimganj Mandi, Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Kota on 25-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakash Chander
s/o Shri Poonamchand Baj,
Vijai Pura,
Old Dhan Mandi,
Kota.

(Trans)

(2) Shri Satya Prakash Jain
s/o Shri Lakhiram Jain,
Ward Kotah Jn.,
Bhimganj Mandi,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Ward Kota Jn., Bhimganj Mandi, Kota and more fully described in the sale-deed registered by S. R. Kotah vide registration No. 1912 dt. 25-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jitender
s/o Shri Shankernath,
Kasi Bhawan,
M. I. Road,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) M/s. Jullundur Motor Agency Delhi Ltd.
6, Sehgal Colony,
Court Lane,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in block No. HC-6, Plot No. 159/5, MI Road, Jaipur and more fully described in the sale-deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3029 dated 25-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. .—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1) Shri Thakur Jai Singh
S/o Thakur Ram Lal Singh,
Sardar Patel Marg,
Chomu House, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Jaipur Iron & Scrap Merchant
Through Partner
Shri Abdul Gaffoor
S/o Vazir Khan,
H. No. 3434,
Loharon Ka Khura,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, situated at Sansarchandra Road, Duduwalon Ka Bagh, Jaipur and more fully described in sale-deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 3052, dated 17-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-6-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 20-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranjit Singh
S/o Shri Ladu Ram
Jat Ke Kue Ka Rasta,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Kanwar
W/o Shri Vijai Singh
Behind Collectorate,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Kishan Bagh, Jaipur and more fully described in the sale-deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 3113 dated 20-11-1980.

M. L. Chahan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 16th June 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop & House situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Gulabchand Purohit
S/o Shri Kalyan Bux
through GPA holder
R/o Ajamshah.

(Transferor)

- (2) Shri Gopal Lal
s/o Surajmal Agarwal,
Bombay Wala,
Ladliji Ka Khura,
Chokri Ramchander Ji,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One commercial shop and house constructed upon the shop situated at Outside Sanganeri Gate, Adjesant to M/s. Bombay Mithan Bhandar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2639 dated 21-10-1980.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1981

Ref. No. .—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. K-5, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—146GI—81

(1) Shri Gurmeet Singh,
23B, Sethi Colony,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan Jajoo,
K-5, Fatetiba,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Part of the house property situated at Plot No. K-5, Fatetiba, Jaipur and more fully described in the sale-deed registered by the S. R., Jaipur vide registration No. 2601 dated 16-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. 986.—Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sayad Usuf Ali
S/o Sayad Meer Yakub, Ali,
Sahah Imperial Road,
Ajmer.

(Transferor)

- (2) Shri Shelendra Kumar Agarwal
S/o Shri Rajendra Prasad Agarwal,
Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 situated at Ramble Road, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 4452 dated 17-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June 1981

Ref. No. 991.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown & Gurrage situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dev Prakash
S/o Sardar Mal Khandaka
D-192, Jagdish Marg,
Rani Park,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Smt. Chanda Devi
W/o Nem Prakash Khandaka,
D-192, Jagdish Marg,
Bani Park,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown and gurrage situated at Khandaka Menson, Tholia Circle, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2638 dated 21-10-1980.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June 1981

Ref. No. 987.—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. S. K. Sharma
S/o Shri Jaggan Nath Sharma,
Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Kanmal Mundra
S/o Shri Mangilal Mundra,
Ghee Mandi,
Naya Bajar,
Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Ramble Road, Ajmer and more fully described in the sale-deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3819 dated 4-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June 1981

Ref. No. 990.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Prakash Kandka
S/o Soodarmal Khandka,
D-192, Jagdish Marg,
Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi
W/o Omprakash Agarwal
D-192, Jagdish Marg,
Bani Park,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House situated at Khandka Manson, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2637 dated 21-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 12th June 1981

Ref. L. C. No. 516/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 1st October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. V. Sathyavathan,
S/o Shri Velayudhan,
Saw Mill Road,
Koorkencherry,
Trichur.

(Transferors)

- (2) M/s. Soni Harilal & Co.,
Jewellers,
1128, High Road,
Trichur-680001.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 right over 8.3 cents of land with a building in Sy. No. 1166/4 of Trichur Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 12th June 1981

Ref. L. C. No. 517/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 27th October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri J. Mahadevan,
Partner,
M/s. Elite Products,
K. R. S. Road,
Mysore,
Karnataka.

(Transferors)

(2) Shri Vazhayil Mammed,
S/o Shri Abu Haji,
Panniankara,
Calicut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.09 acres of land and factory shed in R. S. No. 17, Ward 1, Block 1 of Calicut Corporation in Calicut District.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th June 1981

Ref. No. L. C. No. 518/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. as per schedule situated at Ottappalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ottappalam on 23rd October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. P. Ramankutty Nair,
Lakshmi Nivas,
Shoranur-2.

(Transferors)

(2) Rev. Fr. Antony Manjaly
CMI Superior,
St. Joseph Monastery,
Varmel Garden,
Kallippadam, Shorapur-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres 18 cents of land with 2 buildings as per schedule attached to document No. 3113/80 dated 23rd October, 1980.

T. Z. MANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016 the 15th June 1981

Ref. No. L. C. No. 519/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. as per schedule situated at Cochin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 15th October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—146GI/81

- (1) Shri Abdul Rahiman Abdulla Sait,
VIII/1267, "Mona", Kappalandimukku,
Cochin-2.

(Transferors)

- (2) Shri Muhammed,
S/o Shri Kunju,
Theruvathu Ithikkottu,
Kadapra Amsom,
Chavakkad Desom,
Trichur District.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.470 cents of land with building in Sy. No. 81/1 of Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Date : 15-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin, the 15th June 1981

Ref. L. C. No. 520/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Quilon and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 3rd October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Sunil,
Dwaraka,
Pattathanam,
Quilon-2.

(Transferors)

(2) Shri G. Gopalakrishna Pillai,
Smithalayam,
Mukhthala (P. O.),
Quilon.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

28.591 cents of land in Sy. No. 9614/1 of Quilon Village.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Date : 15-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016 the 15th June, 1981

Ref. L. C. No. 521/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer No. at Ernakulam on 4th October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. N. Narahari Bhatt,
C/o Gokul Restaurant,
Warriam Road,
Ernakulam.

(Transferors)

(2) Shri P. R. Mohan,
(Son of Shri P. N. Ramakrishna Rao,
"Woodlands",
Ernakulam
Karnataka Bank,
M. G. Road,
Ernakulam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.950 cents of land with building as per schedule attached to document No. 3128/80 dated 4-10-1980.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Date : 15-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5228.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

- (2) M/s. Green Park Theatres Associaed (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 37, K. No. 2 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION,

DECEMBER, 1981

New Delhi, the 11th July, 1981

No. F-7/2/81-EI(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 27th December, 1981 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 68th Course Commencing July, 1982.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates, joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th November 1981 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) *Nationality* :—A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or

(iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government

(b) *Age limits, sex and marital status* :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1964 and not later than 1st July, 1966 are only eligible.

Note :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) *Educational Qualifications* :—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ, Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 21st June, 1982 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1. Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION :—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.

- (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE :—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should, however, satisfy themselves that students of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6. HOW TO APPLY :—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, December, 1981 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House,

New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3 etc.). They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

NOTE :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 7th September, 1981 (21st September, 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 7th September, 1981) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 7th September, 1981.

NOTE (i) :— Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) :—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :—

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

NOTE :—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051, Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age :—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in any extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the

attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1 :—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3 :—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Two Self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) *By candidates claiming remission of fee :—*

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of certificates from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan*

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta

(b) *Repatriate from Sri Lanka :—*

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma :—*

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

NOTE : Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination May, 1981 and is recommended for admission to any of the courses on the results of the Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination December 1981 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1982.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION

Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Roll No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT :—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or

(xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

32—146GI/81

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'s BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch, Rtg. 6 (SP) (a) (i) West Block 3, Wing I Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Service Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navv will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may surface in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navv should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality

test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards". The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

VINAY JHA
Joint Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and Syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :

Subject	Duration	Max. Marks
1. English	2 hours	250
2. Mathematics— Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I (Science)	2 hours	200
Paper II (Social Studies Geography and Current Events)	2 hours	200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS

PAPER I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction. Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11, Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$

Value of $\sin x$, $\cos x$ and $\tan x$, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume. Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating. Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living

Basis of Life—Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will, generally carry 50%, 30%, and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time, International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic Intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX-II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

Note :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Boards & the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

(a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.

(b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or under-weight.

(c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (Without shoes)	Weight in Kgs.		
	15-16 years	16-17 years	17-18 years
152 . . .	41.0	42.5	44.0
155 . . .	42.0	43.5	43.5
157 . . .	43.5	45.0	47.0
160 . . .	45.0	46.5	48.0
162 . . .	46.5	48.0	50.0
165 . . .	48.0	50.0	52.0
167 . . .	49.0	51.0	53.0
170 . . .	51.0	52.5	55.0
173 . . .	52.5	54.5	57.0
175 . . .	54.5	56.0	59.0
178 . . .	56.0	58.0	61.0
180 . . .	58.5	60.0	63.0
183 . . .	61.0	62.5	65.0

A \pm 10% (\pm 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within

normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with in built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1 :—Height relaxation upto 2.5 cms (5 cms for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

NOTE 2 :—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

	Minimum	Maximum
Leg Length	99.00	120.00 cms
Thigh Length	64.00	81.50 cms
Sitting height	81.50	96.00 cms

(d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

(e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-Ray of spine will be taken to exclude and mal-development of the backbone. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

For Air Force, X-Ray spine is necessary to exclude the following :—

- (i) Scoliosis of more than 7 by Cobb's method.
- (ii) Spina bifida except at SV-I.
- (iii) Unilateral sacralisation of LV-5.
- (iv) Scheuermann's disease; Scheuermann's nodes, spondylosis or spondylolisthesis.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audiometric test will be done for AF

Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 400, Hz.

- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernia will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.

(k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(l) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

(m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

(n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP 3. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have normal night vision acuity and will be required to give a certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

For Air Forces, the criteria are :—

Distant Vision	6/6 6/9 correctable to 6/6
Near Vision	N-5 each eye
Colour Vision	CP-I(MTL)

Manifest Hypermetropia ... must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod Test must not exceed—

(i) at 6 meters	Exophoria 6 prism dioptres. Esophoria 6 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres
(ii) at 33 cms	Exophoria 16 prism dioptres Esophoria 6 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres Myopia Nil — Astigmatism + 0.75 D
Binocular Vision	Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

(o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.

(p) Routine ECG and HBG for Air Force candidates must be within normal limits.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign.—

- (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force training establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) **KUER SINGH MEMORIAL Scholarships.**—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.

(4) **ASSAM GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) **KERALA GOVERNMENT Scholarship.**—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) **BIHARI LAL MANDAKINI Prize.**—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) **ORISSA GOVERNMENT Scholarships.**—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) **WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.**—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

- (a) **Category 1.**—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for these cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
- (b) **Category 2.**—The scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarships.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The Value of the scholarships shall be Rs. 480/- (rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School Bijapur/RIM College Dehra Dun have been awarded.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a) (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./BA degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.

7. On passing out from the National Defence Academy Army Cadets go to the Indian Military Academy Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Trainingship and Air Force cadets to FFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning Officers capable of leaving infantry sub-units. On successful completion of training, Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches of which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel	1900 fixed
		(time scale)	
Lieut	830—950	Colonel	1950-2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Major-General	2500—125/2 2750
Lt. Colonel	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.
By Selection			

(ii) QUALIFICATION, PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

- (e) **Outfit Allowance**—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.

(iv) **POSTING**

Army Officers are liable to serve any where in India and abroad.

(v) **PROMOTIONS**

(a) *Substantive Promotion*

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

<i>(i) By Time Scale</i>		<i>Minimum Service Limits</i>
Lt.		2 years of commissioned service
Captain		6 years of commissioned service
Major		13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if not promoted by selection		25 years of commissioned service
<i>(ii) By Selection</i>		
Lt. Col.		16 years of commissioned service
Col.		20 years of commissioned service
Brigadier		23 years of commissioned service
Major Gen.		25 years of commissioned service
Lt. Gen.		28 years of commissioned service
Gen.		No restriction

(b) *Acting Promotion*

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years

12. **NAVAL OFFICERS**

(f) **PAY**

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation and Submarine
	Rs. p.	Rs. p.
Midshipman	560/-	560/-
Ag. Sub Lieut.	750/-	825/-
Sub. Lieut.	830/870	910-950
Lieut.	1100-1450	1200-1550
Lieut.-Cdr.	1450-1800	1450-1800
Cdr.	1750-1950	1750-1950
Captain	1950-2400	1950-2400
	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain	
Rear Admiral—	2500—125/2—2750.	
Vice Admiral	3000/- p m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) **ALLOWANCES**

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardy money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) **PROMOTIONS**

(a) *Substantive Promotions*

The following are the service limits for the grant of substance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

By Time Scale

Sub Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority).
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection)

By Selection

Ex Comedr cutive Branch 2-8 years of seniority as Lt. Cdr.

Cmdr. Engineering

Branch 2-10 years seniority as Lt. Cdr.

Cmdr. Electrical Branch 2-10 years seniority as Lt. Cdr.

Capt. 4 years seniority as Cdr.

Rear Admiral No restriction

Vice Admiral No restriction

(b) *Acting Promotion*

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. **AIR FORCE OFFICER**

(f) **PAY**

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr.	825-865
Fg. Offr.	910-1030
Flt. Lt	1300—1550
Sqd. Ldr.	1650—1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750—1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1900 (fixed)
Gp. Capt.	1950—2175
Air Cdre.	2200—2400
Air Vice-Marshal	2500—2750
Air Marshal	3000
Air Marshal (VCAS and AOS C in C)	3250
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :

	Rs.
Plt Offr to Wg. Cdre	375.00 p.m.
Gp Capt and Air Cdr	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) *Qualification Pay/Grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below

Qualification pay	Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6,000/- or Rs. 4500/- Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

(iv) PROMOTIONS

(a) *Substantive Promotion*

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:

By Time Scale

Flying Officer	1 year	commissioned service.
Flt Lt.	5 years	commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years	commissioned service.
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.	

By Selection

Wg. Cdr	16 years reckonable total commissioned service.
Gp Capt.	22 years reckonable total commissioned service.
Air Cmde	24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice Marshal	26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service.

(b) *Acting Promotion*

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers :

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11½ years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp Captain)
Air Vice-Marshal	15 years (After service of 5½ years in the ranks of Wg. Cdr. Gp Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The forms of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify, that Shri son of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri and*/or his family ordinarily reside(s) in village*/town of District*/Division of the State*/Union Territory of

State

Union Territory*

Place.....

Date.....

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

Officers competent to issue Castes/Tribes Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep

APPENDIX-V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

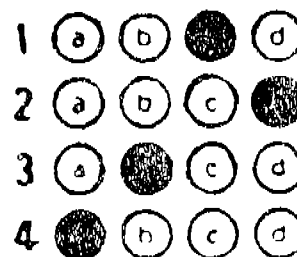
The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate

your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure,
- (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure,
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls,
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- (d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below :—

- (a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H_2VO_4 is

- (a) VO_2
- (b) VO_3
- (c) V_2O_5
- (d) V_2O_6

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- (c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- (d) $y = ae^x - a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- (b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binominal variate is 5. The variance is

- (a) 4^2
- (b) 3
- (c) α
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (*Indian History*)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (*Philosophy*)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaiśeṣika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvāka Yoga
- (d) Buddhism, Sāṃkhya Mīmāṃsā, Cārvāka

14. (*Political Science*)

Functional representation means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation

- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (*Psychology*)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- (b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (*Sociology*)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following :

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

NOTE :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.